राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 56 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शुक्रवार ,27 अगस्त 2021, मूल्य रु. 1.50

सर्वदलीय बैठक, में विदेश सचिव जयशंकर बोले- भारत सरकार अफगानिस्तान के लोगों के साथ

दोहा में की गई अपनी बात पर कायम नहीं है तालिबान, अफगानिस्तान में हालत गंभीर

बैठक में शरद पवार, मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन चौधरी, टीआर बालू, एचडी देवगौड़ा हुए शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान के हालात पर केंद्र सरकार ने ऑल पार्टी मीटिंग रखी। इसमें विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सदन के नेताओं को अफगानिस्तान के हालात और रेस्क्यू मिशन के बारे में बताया। 3.30 घंटे चली सर्वदलीय बैठक में 31 दलों के 37 नेता शामिल हुए। विदेश मंत्री ने कहा कि सभी दलों के साथ अच्छी बात हुई है। सरकार समेत सभी दलों की राय इस मसले पर एक जैसी है। ऑपरेशन देवी शक्ति के तहत जिन लोगों को काबुल से निकाला है, उनमें ज्यादातर भारतीय हैं। अभी भी कुछ भारतीय काबुल में फंसे हैं। हम सभी को वापस लाएंगे।

वादों पर खरा नहीं उतरा तालिबान

सूत्रों के मुताबिक, जयशंकर ने अमेरिका और तालिबान के बीच 2020 में दोहा में हुए समझौते का जिक्र भी किया और कहा कि तालिबान दोहा में किए गए वादे पर खरा नहीं उतरा।

इस बैठक में लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, राज्यसभा के लीडर मल्लिकार्जुन खड़गे, राकांपा नेता शरद पवार, DMK के टीआर बालू, पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और अनुप्रिया पटेल भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जयशंकर को निर्देश दिए थे कि वे सभी दलों को अफगानिस्तान के हालात की जानकारी दें। विपक्षी दलों ने सरकार से यह भी कहा है कि वो अफगानिस्तान पर एक बयान भी जारी करें।

मोदी ने कहा था- आतंक ज्यादा दिन तक मानवता को नहीं दबा सकता

शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफगानिस्तान के हालात पर एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि तोड़ने वाली शक्तियां स्थाई नहीं होतीं। उन्होंने कहा था, 'आतंक के बलबूते साम्राज्य खड़ा करने वाली सोच है, वह किसी कालखंड में कुछ समय के लिए भले हावी हो जाए, लेकिन उसका अस्तित्व कभी स्थाई नहीं होता है। वो ज्यादा दिनों तक मानवता को दबाकर नहीं रख सकती।'

तालिबान पर भारत का रुख क्या है?

कुछ दिन पहले जयशंकर ने कहा था कि हम अभी वेट एंड वॉच की स्थिति में हैं। वहां हालात अभी स्थिर हैं। हमारा फोकस केवल भारतीयों को बाहर निकालने और उनकी सुरक्षा पर है। उन्होंने कहा था कि अफगानिस्तान के साथ हमारे ऐतिहासिक रिश्ते हैं। अफगानी लोगों के साथ हमारे रिश्ते निश्चित रूप से जारी रहेंगे। संयुक्त राष्ट्र में भारत के दूत टीएस तिरुमूर्ति ने कहा था कि तालिबान हिंसा का रास्ता छोड़े और आतंकी संगठनों से रिश्ते खत्म करे।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी अफगानिस्तान पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से करीब 45 मिनट तक फोन पर बातचीत की थी। भारत ने तो अफगानिस्तान में अपना दूतावास खाली कर दिया है, पर रूस ने अभी अपना मिशन बरकरार रखा है। माना जा रहा है कि वह तालिबानियों के साथ अपना कम्युनिकेशन स्थापित करना चाहता है।

भारत पर तालिबान का रुख क्या है?

तालिबानी प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा है कि तालिबान भारत के साथ अच्छे रिश्ते बनाने का इच्छुक है। भारत महत्वपूर्ण है और हम चाहते हैं कि वह अफगानिस्तानी आवाम की ख्वाहिशों को देखते हुए अपनी राय बनाए। हम ये वादा करते हैं कि अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी मुल्क के खिलाफ नहीं होने देंगे।

परियोजनाओं में रोड़ा अटकाने वाले बाबुओं और एजेंसियों की तैयार करो लिस्ट, पीएम मोदी ने दिए निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा करते हुए आदेश दिया कि उन बाबुओं और एजेंसियों की पहचान की जाए, जिनके चलते परियोजनाएं लटकी हुई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 37वीं प्रगति मीटिंग के दौरान कैबिनेट सचिव को आदेश दिया कि वे एक डोजियर तैयार करें, जिसमें डिटेल से इस बात की जानकारी हो कि कौन से प्रोजेक्ट्स लटके हैं और उसकी वजहें क्या हैं। इसके अलावा उन्होंने ऐसे बाबुओं और एजेंसियों की भी पहचान करने को कहा है, जो काम में देरी के लिए जिम्मेदार हैं।

बैठक के दौरान पीएम मोदी ने दिल्ली में बन रहे अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 को लेकर भी बात की। पीएम मोदी ने इस मीटिंग में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों को आदेश दिया कि इस पर काम 15 अगस्त, 2023 तक पूरा हो जाना चाहिए। इसे दिल्ली का तीसरा रिंग रोड भी कहा जा रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रगति मीटिंग के दौरान ये बातें कहीं। वे प्रगति मीटिंग के दौरान इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं पर चल रहे काम की समीक्षा करते हैं। एनएचएआई के मुताबिक 75.71 किमी के इस प्रोजेक्ट से दिल्ली के द्वारका से दिल्ली-चंडीगढ़ हाईवे के बीच कनेक्टिविटी आसान हो जाएगी। बीते सप्ताह ही दिल्ली सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए पेड़ों के ट्रांसप्लांटेशन और काटे जाने को मंजूरी दी है। अब सितंबर के अंत तक एनएचएआई की ओर से इस प्रोजेक्ट के टेंडर जारी किए जा सकते हैं।

बैठक के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने राज्यों में बन रहे ऑक्सीजन प्लांट्स की भी जानकारी ली। उन्होंने राज्यों के मुख्य सचिवों से कहा कि वे ऑक्सीजन प्लांट्स के काम में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि अस्पताल में हर बेड तक ऑक्सीजन की सप्लाई होनी चाहिए। पीएम मोदी अकसर परियोजनाओं को समय पर पूरा करने को लेकर सख्त रवैया दिखाते रहे हैं। पहले भी उन्होंने अधिकारियों से कई बार कहा है कि कोई भी काम तय डेडलाइन में ही होना चाहिए।

सूत्रों का कहना है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के भानुपुली, बिलासपुर और बारी को जोड़ने वाले रेलवे प्रोजेक्ट में देरी को लेकर यह नाराजगी जाहिर की है। यह परियोजना सन 2008 में शुरू हुई थी और इस पर 2,000 करोड़ की लागत का अनुमान था। अब यह बढ़कर 6,000 करोड़ रुपए के करीब पहुंच गई है।

खबर एक नजर

राष्ट्रपति ने प्रणय वर्मा को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 217 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति ने प्रणय वर्मा को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया है ।यह नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी।

ड्रोन संबंधी नए नियमों से भारत में इस क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण की शुरूआत हो गई है: पीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ड्रोन संबंधी नए नियमों से भारत में इस क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण की शुरूआत हो गई है। उन्होंने कहा कि ड्रोन संबंधी नए नियमों से स्टार्ट-अप्स के साथ-साथ इस सेक्टर में काम करने वाले हमारे युवाओं को भी काफी मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने ट्वीट में कहा की 'ड्रोन संबंधी नए नियमों से भारत में इस क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण की शुरूआत हो गई है। ये नियम विश्वास और स्व-प्रमाणन की अवधारणा पर आधारित हैं। इसके तहत अनुमोदन एवं अनुपालन से संबंधित आवश्यकताओं और इस क्षेत्र में प्रवेश करने संबंधी बाधाओं को काफी हद तक कम कर दिया गया है। ड्रोन संबंधी नए नियमों से स्टार्ट-अप्स के साथ-साथ इस सेक्टर में काम करने वाले हमारे युवाओं को भी काफी मदद मिलेगी। इससे नवाचार और कारोबार के लिए संभावनाओं के नए द्वार खुल जाएंगे। इससे भारत को एक ड्रोन हब बनाने के लिए नवाचार, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग में भारत की विशिष्ट क्षमताओं का व्यापक उपयोग करने में भी काफी मदद मिलेगी।'

विस्थापित हिंदू और सिख परिवारों बिलासपुर तहसील में बसाने का आदेश दें गृहमंत्री शाह

बरेली, एजेंसी। उत्तरप्रदेश के जलशक्ति राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर अफगानिस्तान से भारत आ रहे हिंदू और सिख परिवारों को बिलासपुर तहसील में बसाने की पेशकश की है। औलख ने शाह को लिखे पत्र में कहा कि भारत सरकार द्वारा अफगानिस्तान से विस्थापित हिंदू और सिख परिवारों को भारत लाया जा रहा है। उन्हें बसाने के लिए बिलासपुर तहसील में जमीन देने के लिए स्थानीय निवासी तैयार हैं। उन्होंने कहा कि विस्थापित हिंदू और सिख परिवारों के भरण-पोषण के लिए कृषि योग्य भूमि भी उपलब्ध होगी, जिससे वह अपना जीवन यापन कर सकते हैं।

ये देश की संपत्ति हैं, पीएम मोदी या फिर भाजपा की नहीं, जो बेंच रहें हैं: ममता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राष्ट्रीय मौद्रिकरण पाइपलाइन (एनएमपी) नीति को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधकर दावा किया कि यह देश की संपत्ति बेचने की साजिश है ।ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या भाजपा की संपत्ति नहीं हैं ।तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने एनएमपी को चौंकाने वाला और दुर्भाग्यपूर्ण फैसला करार देकर आरोप लगाया कि इन संपत्तियों को बेचने से मिले पैसों का इस्तेमाल चुनाव के दौरान विपक्षी दलों के खिलाफ होगा।

ममता ने कहा कि हम इस चौंकाने वाले और दुर्भाग्यपूर्ण फैसले की निंदा करते हैं। ये संपत्ति देश की हैं। ये न तो मोदी की संपत्ति हैं और न ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की। वे (केंद्र सरकार) अपनी मर्जी से देश की संपत्ति को नहीं बेच सकते। उन्होंने कहा कि पूरा देश जनविरोधी फैसले का विरोध कर एक साथ खड़ा होगा। उन्होंने कहा, भाजपा को शर्म आनी चाहिए। किसी ने उन्हें हमारे देश की संपत्ति बेचने का अधिकार नहीं दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने छह लाख करोड़ रुपये की राष्ट्रीय मौद्रिकरण पाइपलाइन की घोषणा की थी।

ममता के आरोपों पर प्रतिक्रिया देकर भाजपा की बंगाल इकाई ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस सरकार कैसे राज्य सरकार की संपत्तियों को बेच सकती है अगर वह देश की संपत्तियों को लेकर चिंतित है। भाजपा प्रवक्ता शामिक भट्टाचार्य ने कहा,अगर वे देश की संपत्तियों को लेकर इतने चिंतित हैं,तब उनकी सरकार ने गत 10 साल में राज्य की कई संपत्तियों को क्यों बेचा? वे किसकी संपत्ति थी...तृणमूल कांग्रेस की या राज्य सरकार की? तृणमूल कांग्रेस को पहले इसका जवाब देना चाहिए ।ममता ने राज्य को विभाजित करने की मांग को लेकर भाजपा नेताओं के एक वर्ग पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, भाजपा विधानसभा चुनाव हार गई, लेकिन इसके बाद भी उनके केंद्रीय नेता दैनिक यात्रियों की तरह बंगाल की यात्रा कर रहे हैं। अब, वे हमारे राज्य को विभाजित करना चाहते हैं।

पिछले महीने केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल हुए राज्य से भाजपा सांसद जॉन बारला नेजून में सभी उत्तर बंगाल जिलों को शामिल करते हुए एक अलग केंद्रशासित प्रदेश बनने की मांगकर तर्क दिया था कि इस क्षेत्र में पिछले एक दशक में शायद ही कोई विकास हुआ है। केंद्रीय योजनाओं की प्रगति का जायजा लेने के लिए केंद्रीय टीमों द्वारा राज्य के विभिन्न हिस्सों का दौरा करने की खबरों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ममता ने कहा कि केंद्र को राज्य सरकार को सूचित किए बिना टीमों को नहीं भेजना चाहिए। उन्होंने कहा, 'संसदीय समितियां आ सकती हैं, लेकिन केंद्र हमें जानकारी दिए बिना कुछ लोगों को भेज देता है... 100 दिन के काम, कौशल विकास और आवास योजना समेत कई क्षेत्रों में राज्य पहले नंबर पर है।'

पश्चिम बंगाल अनुसूचित जाति सलाहकार परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए ममता ने आगामी पांच वर्षों में राज्य भर में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लोगों के लिए 20 लाख घर बनाने की योजना की घोषणा की।

पीएम मोदी हमेशा दुनिया को सहयोग और दुनिया से सहयोग के भाव से काम करते हैं: नित्यानंद राय

नई दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने संयुक्त राष्ट्र के एशिया और पेसेफिक के लिए आर्थिक व सामाजिक आयोग के आपदा, जलवायु और स्वास्थ्य से संबंधित मंत्रालयी पैनल की क्षेत्रीय परिचर्चा में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भाग लिया। परिचर्चा में आस्ट्रेलिया, चीन, इंडोनेशिया, जापान, मालदीव, पापुआ न्यू गिनी और थाइलैंड के मंत्री भी शामिल हुए। मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा दुनिया को सहयोग और दुनिया से सहयोग के भाव से काम करते हैं। हम सभी कोविड-19 महामारी से लड़ रहे है। इस महामारी के बीच उष्ण कटिबंधीय चक्रवात, बाढ़, भूस्खलन, और सभी प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं में लोगों, विशेष रूप से हमारी जनसंख्या के गरीब और कमजोर तबके, की कठिनाईयों और पीड़ाओं को कई गुना बढ़ा दिया है। गृह राज्यमंत्री ने कहा कि वे भारत के अनुभवों से कुछ मुख्य सीख साझा करना चाहते हैं जो एशिया प्रशांत क्षेत्र में प्रतिरोधी भविष्य बनाने में सहायक हो सकती है। पिछले दो दशकों के दौरान आपदा जोखिम प्रबंधन क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों से संतुष्ट होने के कई कारण है। हमें जानी-पहचानी अपदाओं से होने वाली हानियों के जोखिम को कम करने के लिए और अधिक प्रयास करने चाहिए साथ ही हमें अज्ञात अथवा अप्रत्याशित आपदा जोखिमों से निपटने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। कोविड-19 ने हमें अनियंत्रित आपदा के खतरे से अवगत कराया है। विश्व की इस चुनौती में भारत सदैव वैश्विक समुदाय के साथ मिलकर अपना योगदान देने के लिये खड़ा है और आगे भी खड़ा रहेगा।

सरकारी कर्मचारियों का बढ़ेगा बेसिक वेतन, केंद्र सरकार ने किया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। मंहगाई भत्ते को बढ़ाने के बाद केंद्र सरकार बेसिक पे को बढ़ाने को लेकर ऐलान किया है। राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में केंद्रीय वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार बेसिक वेतन बढ़ाने को लेकर एक्टिविली नहीं सोच रही है। उन्होंने कहा कि 2.57 का फिटमेंट फैक्टर सभी श्रेणियों के कर्मचारियों के लिए समान रूप से केवल 7वें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर संशोधित वेतन स्ट्रक्चर के उद्देश्य से लागू किया गया है। मोदी सरकार ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते को 1 जुलाई से बढ़ाकर 28 फीसदी कर दिया है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1 जुलाई से केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दी थी, जिससे केंद्र सरकार के 48 लाख से अधिक कर्मचारियों और 65 लाख पेंशनभोगियों को फायदा हुआ था। अब डीए की नई दर 17 फीसदी से बढ़कर 28 फीसदी हो गई है। ऑफिस मेमोरेंडम के वित्त मंत्रालय के तहत व्यय विभाग ने कहा कि केंद्र सरकार के कर्मचारियों को दिए जाने वाले डीए मूल वेतन के मौजूदा 17 प्रतिशत से बढ़ाकर 28 प्रतिशत किया जाएगा। इस बढ़ोतरी में 1 जनवरी 2020, 1 जुलाई 2020 और 1 जनवरी 2021 को हुई बढ़ोतरी की अतिरिक्त किश्तें भी इसमें शामिल है। पिछले साल अप्रैल में, वित्त मंत्रालय ने कोरोना महामारी के कारण 30 जून 2021 तक महंगाई भत्ते में वृद्धि पर रोक लगा दी थी। एक जनवरी 2020 से 30 जून 2021 तक डीए की दर 17 फीसदी थी।

कोविड-19 से उत्पन्न चुनौतियों के मद्देनजर स्वास्थ्य क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा मिलेगा: जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार जल्द ही इस साल 15 अगस्त से मनाए जा रहे 'आजादी का अमृत महोत्सव' के उपलक्ष्य में टेलीमेडिसिन, डिजिटल हेल्थ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में 75 स्टार्टअप्स को मदद करने के लिए एक विशेष प्रोत्साहन योजना शुरू करेगी। यह योजना जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) द्वारा शुरू की जाएगी, जो भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है।

केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ.जितेंद्र सिंह ने कहा कि इस संदर्भ में बीआईआरएसी के अध्यक्ष डॉ. रेणु स्वरूप के नेतृत्व में सदस्यों को निर्देश भेज दिए हैं, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) सचिव भी हैं। मंत्री ने कहा कि शीर्ष 75 नवाचारों की पहचान करना भारत की आजादी के 75वें वर्ष में सबसे महत्वपूर्ण कार्य है जो स्वास्थ्य क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को ऐसे समय में बढ़ावा देगा जब दुनिया भर में मानवजाति कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों से निपट रहे हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों को स्टार्टअप का समर्थन करते हुए टर्नअराउंड समय को कम करने के प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने बीआईआरएसी के निदेशक मंडल से स्टार्टअप आवेदकों को विशेष विषय देने का भी आह्वान किया ताकि कोविड-19 से निपटने के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जा सके।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने 'नदियों को लेकर संवेदनशील शहरों के विकास' पर सत्र का आयोजन

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन यानी एनएमसीजी ने स्टॉकहोम विश्व जल सप्ताह 2021 के तीसरे दिन 'नदियों को लेकर संवेदनशील शहरों के विकास' पर दूसरे मेल-मिलाप यानी मीट एंड मिंगल सत्र की मेजबानी की। इस सत्र का संचालन सीईपीटी विश्वविद्यालय की प्रो. मोना अय्यर ने किया। उन्होंने सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए सत्र की शुरूआत की और समझाया कि शहर नियोजन में नदी को मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से व्यवसायियों और अन्य हितधारकों के लिए इस सत्र की योजना बनाई गई है।

एनएमसीजी के महानिदेशक राजीव रंजन मिश्रा ने भारत में नदियों को लेकर संवेदनशील शहरों के विकास एवं जल स्रोतों के महत्व और इंसानी रिहाइश के साथ इसके जुड़ाव पर अपने विचार साझा किए। आईआईटी सहायता-संघ यानी कंसोर्टियम द्वारा विकसित किए जीआरबीएमपी ने भी नदियों के एकीकरण और पूर्ण जल चक्र के साथ शहर या शहरी नियोजन पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है। उन्होंने कहा कि नदी के कायाकल्प का सीधा संबंध शहरी विकास से है और अगर हमारे शहरों को साफ रखा जाए तो नदियों को साफ रखा जा सकता है। इसे हासिल करने के लिए हमें नदियों को लेकर संवेदनशील शहरों की जरूरत है।

100 दिवसीय 'सुजलम' अभियान की शुरूआत

नई दिल्ली, एजेंसी। जल शक्ति मंत्रालय ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' समारोह के अंतर्गत 'सुजलम' की शुरूआत की है, जिसके द्वाराग्रामीण स्तर पर अपशिष्ट जल प्रबंधन करते हुए,विशेष रूप से दस लाख सोख-गड्ढों का निर्माण करके और अन्य ग्रेवॉटर प्रबंधन गतिविधियों के माध्यम से, ज्यादा से ज्यादा गावों को ओडीएफ प्लस गांवों में परिवर्तित किया जा सके। इस अभियान के प्रयास को कम से कम समय में त्वरित रूप से पूरे देश के गांवों के लिए ओडीएफ प्लस वाली स्थिति प्राप्त करने की दिशा में संचालित किया जाएगा। इस अभियान की शुरूआत आज 25 अगस्त को हुई है और यह अगले 100 दिनों तक चलेगा। इस अभियान के माध्यम से न केवल गांवों में ग्रेवॉटर प्रबंधन के लिए वांछित बुनियादी संरचनाअर्थात सोख गड्ढों का निर्माण किया जाएगा बल्कि वाटरबॉडीजके सतत प्रबंधन में भी सहायता प्राप्त होगी। गांवों में या गांवों के बाहरी इलाकों में गंदे पानी का निष्कासन और वाटरबॉडीज का निस्तारण एक बहुत बड़ी समस्या बनी हुई है। इस अभियान से अपशिष्ट जल प्रबंधन में सहायता प्राप्त होगी और बदले में वाटरबॉडीज को पूर्वरूप में लाने मेंसहायता मिलेगी।

वैट की दर कम करने से राज्यों में हवाई यात्रा को बढ़ावा मिलेगा: मंत्री सिंधिया

नई दिल्ली, एजेंसी। हवाई यात्रा को बढ़ावा देने के लिए, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 22 राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर राज्यों के सभी हवाई अड्डों पर एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर मूल्य वर्धित कर (वैट) को 1 प्रतिशत से 4 प्रतिशत की सीमा के भीतर युक्तिसंगत बनाने का आग्रह किया है। उन्होंने अपने पत्र में राज्यों के आर्थिक विकास में तेजी लाने की दृष्टि से हवाई यात्रा और संपर्क को बढ़ावा देने के साझा इरादे को आगे बढ़ाने के लिए कहा है। एटीएफ की कीमत एयरलाइंस परिचालन लागत का एक प्रमुख घटक है और इस पर लगने वाला टैक्स इसकी कीमत निर्धारित करने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। इस मुद्दे का समाधान राज्यों में हवाई संपर्क बढ़ाने के प्रयास में बेहद मददगार साबित हो सकता है। केरल, आंध्र प्रदेश, मेघालय, नागालैंड, सिक्किम और तेलंगाना जैसे प्रगतिशील राज्यों का उदाहरण देते हुए मंत्री ने लिखा कि इन राज्यों ने वैट को एक प्रतिशत और उससे भी कम कर दिया है। नतीजतन, उन्होंने अपने राज्यों में विमानों की आवाजाही की संख्या में पर्याप्त बढ़ोत्तरी देखी है।

उदाहरण के लिए, केरल सरकार ने एटीएफ पर वैट 25 प्रतिशत से घटाकर 1% कर दिया है। इसके बाद, तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर विमानों की आवाजाही की संख्या 21,516 उड़ानों से बढ़कर 23,566 हो गई है। यह बढ़ोतरी पिछले 6 महीनों की अवधि में हुई है जिस दौरान 2050 उड़ानें बढ़ी हैं। इसी तरह, हैदराबाद में विमान की आवाजाही में 6 महीने की अवधि में 76,954 उड़ानों से बढ़कर 86,842 उड़ानें हुईं, यानी एटीएफ पर वैट को 16 प्रतिशत से घटाकर 1 प्रतिशत करने के बाद 9888 विमानों की आवाजाही में वृद्धि हुई। आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, नागालैंड, उड़ीसा, पंजाब और सिक्किम जैसे कई अन्य राज्यों ने भी इस नीति को अपनाया है।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

भारती एयरटेल	4.18 प्रतिशत
मारुति	1.59 प्रतिशत
पावर ग्रिड	1.34 प्रतिशत
एसबीआई	1.30 प्रतिशत
टाटा स्टील	1.14 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.71	78.51
पौड स्टर्लिंग	93.62	108.58
यूरो	79.35	92.01
चीन युआन	08.12	13.17

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2500-3000
गेहूं दड़ा	2150-2160
आटा	2800-2290
मैदा	945-950
चोकर	620-630

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

बासमती औसत किस्म	4500-4600
परमल	1750-1775
चावल सेला	2250-2350
आरआर (आठ)	1650-1670

दाल-दलहन

चना	4,600-4,700
दाल चना	5,700-5,850
मसूर काली	7,150-7,350
मलका मसूर	5400-6200
मूंग	8,200-8,500
मूंग दाल छिलका	6100-6700

एमईआईएल ने स्वदेशी निर्मित दूसरा आधुनिक रिग ओएनजीसी को सुपुर्द किया

मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की सफलता के लिए ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करना आवश्यक है। घरेलू तेल उत्पादन को बढ़ावा देने और देश के ऊर्जा भविष्य को सुरक्षित करने में अपनी भूमिका निभाने पर गर्व है:- पी. राजेश रेड्डी, उपाध्यक्ष, एमईआईएल

अहमदाबाद, 26 अगस्त **(एजेंसी)।** मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड (एमईआईएल) ने मेक इन इंडिया कार्यक्रम और आत्मनिर्भर भारत के तहत कंपनी द्वारा निर्मित दूसरा स्वदेशी रिग ओएनजीसी को गुरुवार को सुपुर्द किया। यह रिग एमईआईएल ने वर्ष 2019 में एमईआईएल से अर्जित किए 6000 करोड़ रुपये के कुल 47 ड्रिलिंग रिग की आपूर्ति का हिस्सा है। बेहतरीन हाइड्रोलिक तकनीक से लैस यह रिग ओएनजीसी अहमदाबाद एसेट के तहत गुजरात में कलोल के पास धमासना गांव में तेल क्षेत्र के पास तेल कुएं में परिचालन शुरू करने के लिए तैयार है। यह तेल के कुओं को तेजी से खुदाई करता है और न्यूनतम ऊर्जा के साथ संचालित होता है। 1500 एचपी की क्षमता वाले यह ड्रिलिंग रिग जमीन की सतह से 4000 मीटर (4 किलोमीटर) गहराई तक तेल कुओं को आसानी से खोद सकती है। रिग के 40 साल तक बिना रुकावट कार्यरत रहने की उम्मीद है और सुरक्षा मानकों के लिहाज से भी यह सबसे आधुनिक तकनीक के साथ निर्मित हुआ है।

एमईआईएल के उपाध्यक्ष पी. राजेश रेड्डी ने कहा कि, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की सफलता के लिए ऊर्जा आयात पर निर्भरता कम करना आवश्यक है। एमईआईएल को इन दोनों पहल में योगदान देने, घरेलू तेल उत्पादन को बढ़ावा देने और देश के ऊर्जा भविष्य को सुरक्षित करने में अपनी भूमिका निभाने पर गर्व है।

एमईआईएल के मुख्य अधिकारी (ऑयल रिग्ज डिवीजन) एन. कृष्ण कुमार ने बताया कि, अभी तक भारत ज्यादातर तेल और ईंधन निष्कर्षण रिग की आयात पर निर्भर था, लेकिन एमईआईएल ने घरेलू रिग निर्माण क्षमता को काफी बढ़ाया है। ओएनजीसी को सुपुर्द की गई दूसरी रिग अत्याधुनिक हाइड्रोलिक और स्वचालित प्रौद्योगिकी के साथ निर्मित है। आधुनिक तकनीक से निर्मित इन उन्नत रिगों से ओएनजीसी को लाभ होगा। एमईआईएल असम (शिब सागर, जोरहाट), आंध्र प्रदेश (राजमुंदरी), गुजरात (अहमदाबाद, अंकलेश्वर, मेहसाणा और कैम्बे), त्रिपुरा (अगरतला) और तमिलनाडु (कराइकल) में ओएनजीसी एसेट के लिए रिग का निर्माण और वितरण करेगा।

महानगरों के रेड़ी पटरी वाले भी अब पीएम स्वनिधि योजना के लाभार्थी

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय रिज़र्व बैंक ने अब टियर-1 और टियर-2 शहरों के भी रेड़ी पटरी वालों को पीएम स्ट्रीट वेंडर की आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि योजना) के लाभार्थियों में शामिल करने का निर्णय लिया है। केंद्रीय बैंक ने आज यह जानकारी देते हुए कहा कि पहचाने गए स्ट्रीट वेंडर्स को भुगतान अवसंरचना विकास कोष (पीआईडीएफ) योजना के तहत लाभार्थियों के रूप में शामिल करने का निर्णय लिया गया है। अब उनको भी टियर-3 से टियर-6 केंद्रों के स्ट्रीट वेंडर वालों की तरह योजना के अंतर्गत शामिल किया जायेगा। रिज़र्व बैंक द्वारा 5 जनवरी 2021 को भुगतान अवसंरचना विकास कोष (पीआईडीएफ) योजना की घोषणा की गई थी। इस योजना का उद्देश्य टियर-3 से टियर-6 केंद्रों और उत्तर-पूर्वी राज्यों में बिक्री केंद्र (पीओएस) की अवसंरचना (भौतिक और डिजिटल दोनों मोड) के नियोजन को प्रोत्साहित करना था।

पीआईडीएफ योजना के तहत लक्षित लाभार्थियों का विस्तार करने के इस निर्णय से रिज़र्व बैंक के आरंभिक स्तर पर डिजिटल लेनदेनों को बढ़ावा देने की दिशा में किए गए प्रयासों को प्रोत्साहन मिलेगा।

अजय कुमार बने आरबीआई के कार्यपालक निदेशक

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने अजय कुमार को नए कार्यपालक निदेशक (ईडी) के रूप में नियुक्त किया है। ईडी के रूप में पदोन्नति से पहले, कुमार क्षेत्रीय निदेशक के रूप में केंद्रीय बैंक के नई दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय के प्रमुख थे। कुमार ने अपने तीन दशकों के कार्यकाल में रिज़र्व बैंक के विदेशी मुद्रा, बैंकिंग पर्यवेक्षण, वित्तीय समावेशन, मुद्रा प्रबंधन और अन्य क्षेत्रों में कार्य किया है। कार्यपालक निदेशक के रूप में कुमार मुद्रा प्रबंधन विभाग, विदेशी मुद्रा विभाग और परिसर विभाग का कार्यभार संभालेंगे। कुमार पटना विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में परास्नातक, आईसीएफएआई से बैंकिंग में एमएस और बैंक प्रबंधन और अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद से प्रमाणित बैंक प्रबंधक हैं।

इंटरनेट और मोबाइल से जुड़े उद्योग का होगा 83.5 करोड़ डॉलर का कारोबार

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। देश में इंटरनेट और मोबाइल से जुड़े उद्योगों का कारोबार वर्ष 2025 तक तीस करोड़ डॉलर से बढ़कर 83.5 करोड़ डॉलर पर पहुंच जाएगा।

कारोबार वर्ष 2025 तक तीस करोड़ डॉलर से बढ़कर 83.5 करोड़ डॉलर पर पहुंच जाएगा

इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) के सातवें एफिलिएट सम्मेलन में गुरुवार को वी कमीशन की मुख्य कार्यकारी अधिकारी पारुल भार्गव ने कहा कि इंटरनेट और मोबाइल से जुड़े उद्योगों में पर्याप्त क्षमता है और उसका कारोबार तेजी से पटरी पर लौट रहा है। इसकी बदौलत इस क्षेत्र का कारोबार वर्ष 2025 तक तीस करोड़ डॉलर से बढ़कर 83.5 करोड़ डॉलर पर पहुंच जाएगा। सुश्री भार्गव ने कहा कि कोरोना महामारी से इंटरनेट और मोबाइल से जुड़े उद्योग प्रभावित नहीं हुए हैं। निश्चित रूप से डिजिटल और संबंधित उद्योग का कारोबार बढ़ा है। डिजिटल बाजार के बजट में संबंधित उद्योग की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत है। ई-कॉमर्स, यात्रा, होमस्टे, बीएफएसआई, शिक्षा, गेमिंग, वेब सीरीज और स्वास्थ्य ऐसे शीर्ष बाजार हैं, जिनका संबंधित उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान है।

ग्रैबऑन के संस्थापक अशोक रेड्डी ने कहा कि इंटरनेट और मोबाइल से जुड़े उद्योग कुछ वर्षों में कई गुना तेजी से बढ़ा है। इसमें कोई शक नहीं है कि आगे भी इस उद्योग का तेजी से विकास जारी रहेगा। ऑप्टिमाइज के प्रबंध निदेशक एल. डी. शर्मा ने कहा कि इस क्षेत्र के कोरोबार का अगले कुछ वर्षों में अरबो डॉलर का उद्योग बनने की पूरी क्षमता है। हालांकि धोखाधड़ी की बढ़ रही गतिविधियां इस उद्योग के लिए चिंता का विषय है।

मजबूत बफर भारतीय बैंकों को परिसंपत्ति जोखिम का सामना करने में मदद करेगा : मूडीज

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर बैंकों के लिए परिसंपत्ति जोखिम बढ़ा रही है, लेकिन मूडीज इनवेस्टर्स के अनुसार, देश की आर्थिक सुधार, ऋण हामीदारी मानदंड का कड़ा होना और सरकारी समर्थन जारी रखने से समस्या ऋणों में तेज वृद्धि को रोका जा सकेगा। मूडीज के उपाध्यक्ष और वरिष्ठ क्रेडिट अधिकारी अलका अनबारसु ने कहा, 'बैंकों की संपत्ति की गुणवत्ता में गंभीर गिरावट की संभावना नहीं है, विशेष रूप से व्यक्तियों और छोटे व्यवसायों के बीच नए ऋण हानि में अपेक्षित वृद्धि के बावजूद, जो वायरस के प्रकोप से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए थे। ऐसा इसलिए है, क्योंकि आपातकालीन क्रेडिट लिंक्ड

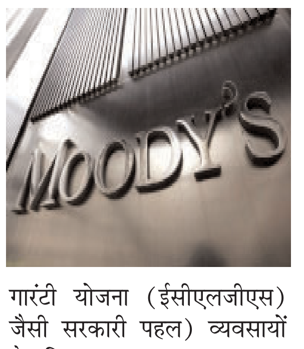

गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) जैसी सरकारी पहल) व्यवसायों के लिए तत्काल तरलता प्रदान करने में प्रभावी रहे हैं। 'इसके अलावा, अनुकूल ब्याज दरें और ऋण पुनर्गठन योजनाएं परिसंपत्ति जोखिमों को कम करना जारी रखेंगी, जैसे कि कोरोनवायरस के पुनरुत्थान में देरी होगी, लेकिन बैंकों की बैलेंस शीट में सुधार नहीं होगा, जो महामारी से पहले शुरू हो गए थे। मूडीज रेटेड बैंकों के पास भी मजबूत नुकसान-अवशोषित बफर हैं, जो उन्हें संपत्ति की गुणवत्ता में गिरावट का सामना करने और अपनी क्रेडिट ताकत बनाए रखने में मदद करेंगे। बैंकों ने पिछले एक साल में पूंजी में वृद्धि, ऋण-हानि भंडार और लाभप्रदता के माध्यम से इन बफर्स को सुदृढ़ किया था। मूडीज की आधारभूत अपेक्षा यह है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में नवगठित गैर-निष्पादित ऋण (एनपीएल) अगले दो वर्षो में सालाना सकल ऋण का लगभग 50 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.5 प्रतिशत हो जाएगा। फिर भी, बैंकों का औसत एनपीएल अनुपात काफी हद तक स्थिर रहेगा, जो पुराने एनपीएल के समाधान और ऋण वृद्धि में तेजी से प्रेरित होगा।

संक्षिप्त समाचार

ऑनलाइन शॉपिंग के लिए अब नहीं याद रखने होंगे कार्ड के 16 अंक

नई दिल्ली। ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान भुगतान के लिए अब कार्ड के 16 अंक याद नहीं रखने होंगे, इसके लिए भारतीय भुगतान परिषद (पीसीआई) और उद्योग जगत मिलकर रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ सुरक्षित कार्ड लाने पर काम कर रहा है। पीसीआई ने गुरुवार को कहा, हमलोग सुरक्षित कार्ड लाने का समाधान ढूंढने के लिए आरबीआई के साथ काम कर रहे है ताकि उसे ऑनलाइन उद्योग अपना सके और ग्राहकों को ऑनलाइन भुगतान करते समय कार्ड के 16 अंक याद नहीं रखना पड़े। परिषद ने बताया कि आरबीआई के साथ मिलकर एक ऐसे समाधान पर काम किया जा रहा है, जिसके आने से ग्राहकों को ऑनलाइन भुगतान करते समय कार्ड के 16 इंटर नहीं करने पड़ेंगे। इस समाधान के माध्यम से होने वाला भुगतान पूरी तरह से सुरक्षित और आरबीआई की कार्ययोजना के अधीन होगा। जनवरी 2022 तक ग्राहकों को यह सुविधा प्राप्त हो जाएगी।

शाओमी एमआई टीवी 3 अलग-अलग साइज में भारत में हुआ लॉन्च

नई दिल्ली। शाओमी ने गुरुवार को एमआई स्मार्टर लिविंग 2022 मेगा लॉन्च इवेंट के जरिए भारत में एमआई टीवी 5एक्स सीरीज की घोषणा की। टीवी लाइनअप तीन अलग-अलग आकारों 43 इंच, 50 इंच और 55 इंच में आता है। तीनों मॉडल 4के रेजोल्यूशन डिस्प्ले और डुअल साउंड सिस्टम के साथ आता हैं। भारत में एमआई टीवी 5एक्स की कीमत 43 इंच वेरिएंट के लिए 31,999 रुपए से शुरू होती है। 50 इंच वाले मॉडल की कीमत 41,999 रुपए है, जबकि 55 इंच वाले मॉडल की कीमत 47,999 रुपये है। लॉन्च ऑफर्स में एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड और ईजीईएमआई रूपांतरणों के साथ 3,000 रुपये तक की तत्काल छूट और प्रमुख बैंकों और एनबीएफसी से नौ महीने तक की नो-कॉस्ट ईएमआई ऑफर शामिल हैं। एमआई इंडिया के मुख्य व्यवसाय अधिकारी रघु रेड्डी ने एक बयान में कहा, एमआई इंडिया ग्राहकों की जरूरतों को समझने में अग्रणी रहा है क्योंकि कनेक्टेड डिवाइस हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बनने लगे हैं। एमआई न केवल दुनिया में सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन ब्रांडों में से एक है, बल्कि सबसे बड़े उपभोक्ताओं में से एक है।

बजाज फाइनेंस ने किया आगाह, जालसाजों से रहें होशियार

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने अपने ग्राहकों को लोन के लिए अनिवार्य बीमा पॉलिसी की पेशकश करने वाले जालसाजों से होशियार रहने को आगाह किया है। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि जालसाज लोन लेने की पूर्व शर्त के रूप में उन्हें अनिवार्य रूप से जीवन बीमा खरीदने का प्रलोभन देते हैं। बजाज फाइनेंस लिमिटेड के प्रतिनिधि के छद्म रूप में संभावित ऋणी से कहते हैं कि प्रीमियम की राशि उनकी इच्छित लोन राशि का कुछ प्रतिशत होगी और इस तरह जनता को बीमा पॉलिसी खरीदने के लिए बहकाते हैं।

शेयर बाजार फिर रहा सपाट

मुंबई, 26 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों की गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर दूरसंचार और धातु समूह में हुई भारी बिकवाली तथा ऊर्जा और पावर में लिवाली के कारण उतार-चढ़ाव से गुजरता हुआ शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन सपाट रहा। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 4.89 अंक यानी 0.01 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 55949.10 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की निफ्टी 2.25 अंक यानी 0.01 प्रतिशत बढ़कर 16636.90 अंक पर बंद हुआ। बड़ी कंपनियों की तरह ही मझौली और छोटी कंपनियां भी लगभग सपाट ही रहीं। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 0.30 प्रतिशत की तेजी लेकर 23015.30 अंक और स्मालकैप 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26042.54 अंक रहा। बीएसई में कुल 3322 कंपनियों के शेयर में कारोबार हुआ, जिनमें से 1733 बढ़त में और 1451 गिरावट में रहे जबकि 138 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सेंसेक्स के 19 समूहों में से 12 बढ़त में जबकि सात नुकसान में रहे। इस दौरान दूरसंचार समूह के शेयरों को सबसे अधिक झटका लगा और यह 3.45 प्रतिशत तक लुढक गये। इसी तरह

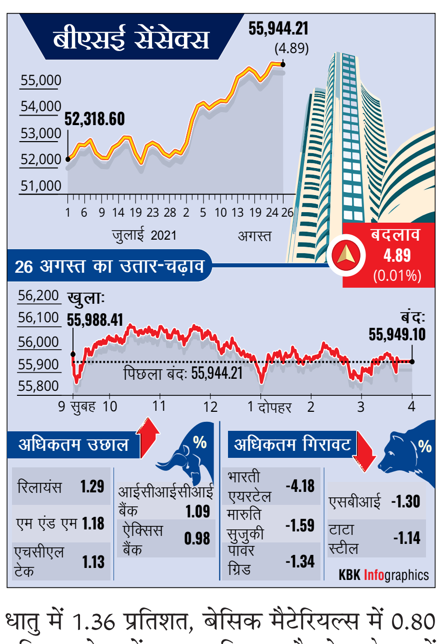

धातु में 1.36 प्रतिशत, बेसिक मैटेरियल्स में 0.80 प्रतिशत, टेक में 0.59 प्रतिशत और हेल्थकेयर में 0.47 प्रतिशत की नरमी रही। वहीं, ऊर्जा में 1.14 प्रतिशत, पावर में 0.91 प्रतिशत, तेल एवं गैस में 0.72 प्रतिशत की बढ़त रही। इनके अलावा अन्य समूह के शेयर 0.08 प्रतिशत से लेकर 0.69 प्रतिशत तक चढ़े।

शुरुआती कारोबार में बीएसई का सेंसेक्स 44.2 अंक की तेजी के साथ 55988.41 अंक पर खुला और लिवाली के बल पर 56112.39 अंक पर पहुंचा लेकिन दोपहर हुई बिकवाली के दबाव में यह 55854.07 अंक के निचले स्तर पर आ गया। अंत में पिछले दिवस के 55944.21 अंक की तुलना में 4.89 बढ़कर 55949.10 पर रहा।

सेंसेक्स में आज 14 कंपनियों के शेयर के भाव चढ़े जबकि 16 लुढ़क गये। बढ़त में रहने वाली कंपनियां रिलायंस 1.29 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.18, एचसीएल टेक 1.13, आईसीआईसीआई बैंक 1.09, एक्सिस बैंक 0.98 प्रतिशत हैं। इनके अलावा अन्य कंपनियां के शेयर 0.02 प्रतिशत से लेकर 0.82 प्रतिशत तक चढ़े।

गिरावट में रहने वाली कंपनियों में भारती एयरटेल 4.18 प्रतिशत, मारुति 1.59, पावर ग्रिड 1.34, एसबीआई 1.30, टाटा स्टील 1.14, सन फार्मा 1.10, एनटीपीसी 1.10, टेक महिंद्रा 0.93, आईटीसी 0.82, अल्ट्रा सिमको 0.77, इंफोसिस 0.59, इंडसइंड बैंक 0.48, टाइटन 0.30, एचडीएफसी बैंक 0.19, ओएनजीसी 0.17 और बजाज फिनसर्व 0.11 प्रतिशत शामिल हैं।

जना स्मॉल फाइनेंस बैंक ने सहकारी बैंकों से किया करार

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। लघु वित्त बैंक जना स्मॉल फाइनेंस बैंक ने संबंधित बैंकों को डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर और भुगतान सेवाएं प्रदान करने के लिए एचसीबीएल सहकारी बैंक और मैसूर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक के साथ करार किया है। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के सहयोग से एचसीबीएल सहकारी बैंक, लखनऊ अब अपने ग्राहकों के लिए एटीएमए पीओएस (प्वॉइंट ऑन सेल) और ई-कॉमर्स सेवाओं का विस्तार कर सकता है। इस तरह इस साझेदारी के तहत मैसूर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक के साथ व्यवस्था के तहत उनके ग्राहकों को जना एसएफबी ब्रांडेड डेबिट कार्ड जारी किए जाएंगे।

जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय कंवल ने कहा, 'एचसीबीएल और मैसूर मर्चेंट्स के साथ हाथ मिलाना हमारे लिए प्रसन्नता का विषय है। हमारा प्रयास कम सेवा वाले लोगों के लिए स्मार्ट और सरल बैंकिंग समाधान प्रदान करके एक संपूर्ण प्रणाली का निर्माण करना है ताकि डिजिटल बैंकिंग का लाभ जनता तक पहुंच सके।' एचसीबीएल सहकारी बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ए. के. श्रीवास्तव ने कहा, हमें अपने ग्राहकों को रूपे डेबिट कार्ड की सुविधा प्रदान करने के लिए जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ जुड़कर खुशी हो रही है। हम आईएमपीएस और ई-कॉमर्स लेनदेन शुरू करने की योजना की दिशा में भी काम कर रहे हैं, जो वास्तव में हमारे ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने में मदद कर सकते हैं।

सोना 189 और चांदी 622 रुपए लुढ़की

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों की गिरावट के दबाव में गुरुवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 189 रुपए प्रति दस ग्राम और चांदी 622 रुपए प्रति किलोग्राम गिर गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.14 प्रतिशत उतरकर 1788.20 डॉलर प्रति औंस और अमेरिकी सोना वायदा 0.08 प्रतिशत की गिरावाट के साथ 1789.60 डॉलर प्रति औंस बोला गया। इस दौरान चांदी हाजिर भी 0.80 प्रतिशत टूटकर 23.67 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। घरेलू स्तर पर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में भी वैश्विक बाजार की गिरावट का असर देखा गया। इस दौरान सोना 189 रुपए लुढ़ककर 46990 रुपए प्रति दस ग्राम पर और सोना मिनी 190 रुपए कमजोर होकर 46920 रुपए प्रति दस ग्राम रह गया। चांदी 622 रुपए टूटकर 62668 रुपए प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 534 रुपए उतरकर 63629 रुपए प्रति किलोग्राम बोली गयी।

उपलब्धि *हेंडीक्राफ्ट पार्क का होगा निर्माण*

यूपी के पहले हैंडीक्राफ्ट पार्क से 22 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

लखनऊ, 26 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हैंडीक्राफ्ट (हस्तशिल्प) की बेहद सम्पन्न परंपरा की पूरी दुनिया मुरीद रही है। अब इसी सिलसिले में सूबे के सभी प्रमुख हेंडीक्राफ्ट को एक स्थान पर देश और विदेश के लोगों को मुहैया कराने के लिए यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सेक्टर 29 में एक हेंडीक्राफ्ट पार्क बनाया जा रहा है। करीब 50 एकड़ के इस पार्क में 76 उद्योगपतियों ने अपनी फैक्ट्री लगाने के लिए जमीन ली है। यह उद्योगपति करीब 403 करोड़ रुपए का निवेश कर अपनी यूनिट पार्क में लगायेंगे।इन उद्योगपतियों के पार्क में किए जा रहे निवेश से 22,144 लोगों को स्थायी रोजगार मिलेगा।

यूपी के इस पहले हेंडीक्राफ्ट पार्क से देश तथा विदेश के लोगों को एक ही स्थान पर यूपी के ओडीओपी योजना से जुड़े सभी हेंडीक्राफ्ट एक ही स्थान पर मिल सकेंगे। यही नहीं, इस पार्क के बनने से यूपी के हस्तशिल्प कारोबार को बड़ा बाजार मिलेगा। इस पार्क में आकर निर्यात कारोबार से जुड़े लोग सूबे के हस्तशिल्प को खरीद सकेंगे। दिल्ली तथा नोएडा में रहने वाले लोग भी लखनऊ, मेरठ, बरेली, फिरोजाबाद, आगरा, वाराणसी, चंदौली, गोरखपुर, इलाहाबाद, प्रतापगढ़, आजमगढ़, मिजार्पुर तथा झांसी एवं ललितपुर के हस्तशिल्प को आसानी से पा सकेंगे।

यीडा के अधिकारियों के अनुसार सूबे के इस पहले हेंडीक्राफ्ट पार्क को लेकर इस क्षेत्र में कार्यरत उद्यमी बेहद उत्साहित है। यही वजह है कि 76 उद्यमियों ने यहां अपनी यूनिट लगाने के लिए जमीन ली है। यहां हेंडीक्राफ्ट पार्क योजना के अंतर्गत विकास एक्सपोर्ट्स को 5,000 वर्ग मीटर

जमीन वुड, मेटल, मार्बल हेंडीक्राफ्ट के लिए आवंटित की गई। इसी प्रकार द सिल्क फैक्ट्री, रटेरिया एक्सपोर्ट, नारायण क्रिएशन, वजीर चंद एंड कंपनी, डक्स इंडिया इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, द्वार फुटवियर इंडस्ट्रीज तथा स्पेशलिस्ट होम कांसेप्ट को जमीन आवंटित हो गई है।

अधिकारियों के अनुसार, जेवर एयरपोर्ट के पास जल्द ही इस पार्क में यूपी सहित देशभर के हेंडीक्राफ्ट से लोग रू-ब-रू हो सकेंगे और यह पार्क कारीगरों, शिल्पकारों और दस्तकारों का सबसे प्रमुख ठीहा बन जाएगा। वहां वैसी ही भीड़ जुटेगी जैसी कि दिल्ली में आयोजित होने वाले हुनर हाट में होती है। दिल्ली के हुनर हाट में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 600 से अधिक दस्तकार, शिल्पकार और कारीगार स्वदेशी उत्पादों के साथ शामिल होते हैं। इनके बनाए उत्पादों को खरीद कर लोग अपने घरों को सजाते हैं। पार्क में जिन उद्यमियों ने भूमि ली है, वो सभी हेंडीक्राफ्ट कारोबार से जुड़े हैं। यह लोग अपने बनाए उत्पाद तो यहां बेचेंगे ही ओडीओपी से जुड़े सूबे तमाम जिलों के उत्पाद भी यह लोगों को मुहैया कराएंगे। मिट्टी को जीवंत करने वाले कारीगरों को संरक्षण एवं संवर्धन देने के लिए उनकी पहल पर जहां प्रदेश में पहली बार माटीकला बोर्ड का गठन किया गया । इसके तहत इससे जुड़े कारीगरों को ट्रेनिंग से लेकर बाजार तक कि सुविधा मुहैया कराई गई और अब इसी दिशा में हेंडीक्राफ्ट पार्क बनाया जा रहा है। जहां ना सिर्फ 22 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा, बल्कि सूबे के हस्तशिल्प को भी एक नया बाजार मिलेगा।

सीसीटीवी लगाने वाला दुनिया का पहला शहर बनी दिल्ली

महिला सुरक्षा की मजबूती को प्रतिबद्ध : केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली ने दुनिया में एक नया मुकाम हासिल किया है। दिल्ली आज प्रति वर्ग मील में सबसे अधिक सीसीटीवी लगाने के मामले में दुनिया का पहला शहर बन गया है। दिल्ली में प्रति वर्ग मील 1826 सीसीटीवी लगाए गए हैं, जो चेन्नई से 3 गुना अधिक और मुंबई से 11 गुना अधिक है। केंद्र सरकार और एलजी की तरफ से लगातार अड़चनें डालने के बावजूद सीएम अरविंद केजरीवाल के लगातार संघर्ष, दूरदर्शिता और मेहनत की वजह से दिल्ली में सीसीटीवी लग सकें और आज दिल्ली को यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल हो पाया। इससे जिसने दिल्ली की जनता के लिए एक सुरक्षित माहौल देने का केजरीवाल सरकार का एक बड़ा वादा भी पूरा हुआ। इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए

दिल्ली में प्रति वर्ग मील लगाए गए हैं 1826 सीसीटीवी : केजरीवाल

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि प्रति वर्ग मील में लगाए गए सीसीटीवी के मामले में दिल्ली दुनिया भर के 150 शहरों में पहले स्थान पर है और शंघाई, न्यूयॉर्क व लंदन जैसे शहरों को भी पीछे छोड़ दिया है। महिला सुरक्षा को मजबूती देने के लिए प्रतिबद्ध दिल्ली सरकार ने अब तक 2.75 लाख सीसीटीवी लगाए हैं और अगले कुछ महीने में 1.4 लाख सीसीटीवी और लगाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा की हमें यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि दिल्ली ने प्रति वर्ग मील में सबसे अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने के मामले में शंघाई, न्यूयार्क और लंदन जैसे शहरों को भी पीछे छोड़ दिया है। दिल्ली में प्रति वर्ग मील 1826 कैमरे लगे हैं, जबकि लंदन में प्रति वर्ग मील 1138 कैमरे लगे हैं। मिशन मोड में काम करने वाले हमारे अधिकारियों और इंजीनियरों को मेरी बधाई, जिनकी बदौलत हमने इतने कम समय में यह उपलब्धि हासिल की।

सरकार ने गोपनियता को लेकर भी उठाए कई कदम

केजरीवाल सरकार सीसीटीवी प्रोजेक्ट में गोपनियता का ख्याल रखते हुए कई कदम उठाए हैं। सरकार द्वारा लगाए गए सभी सीसीटीवी फीड अत्यधिक सुरक्षित हैं। लोगों द्वारा हार्डवेयर की निगरानी की जाती है। फीड केवल अधिकृत उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध है और सिस्टम स्वयं ही कनेक्शन की गड़बड़ी आदि का पता लगाने में सक्षम है। इसके साथ ही, दिल्ली सरकार एकत्र किए गए सभी फीड की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित की जा रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि इसका उपयोग केवल अधिकृत उपयोगकर्ताओं द्वारा अधिकृत उद्देश्यों के लिए ही किया जाए। केंद्र सरकार ने जुलाई 2018 में व्यक्तिगत डेटा विधेयक पेश किया, लेकिन अभी भी इसे पारित नहीं किया है। नतीजतन, कहीं भी स्थापित किसी भी सीसीटीवी कैमरे के लिए कोई राष्ट्रीय मानक नहीं हैं।

राजधानी में अभी तक लगाए गए 2.75 लाख सीसीटीवी

1.4 लाख सीसीटीवी और लगेंगे अभी

नई दिल्ली। दिल्ली में अभी तक 2.75 लाख सीसीटीवी लगाए जा चुके हैं और अभी 1.4 लाख सीसीटीवी और लगाए जाने हैं, जो निविदा प्रक्रिया में हैं। यह कैमरे भी अगले सात महीने के अंदर लगा दिए जाएंगे। सीसीटीवी प्रोजेक्ट स्वराज का एक उदाहरण है। आरडब्ल्यूए उन स्थानों का सर्वेक्षण करने में शामिल थे, जहां सीसीटीवी लगाए गए हैं। सीसीटीवी से न केवल कॉलोनियों को, बल्कि झुग्गियों सहित दिल्ली के सभी हिस्सों को कवर किया जा रहा है।

दिल्ली सरकार का सीसीटीवी लगाने का यह मॉडल विश्व स्तर पर अनूठा है, क्योंकि यह प्रणाली विकेंद्रीकृत है और सुरक्षित कनेक्शन के माध्यम से पुलिस, पीडब्ल्यूडी और आरडब्ल्यूए व बाजार एसोसिएशन द्वारा रिमोट मॉनिटरिंग की अनुमति प्रदान करता है।

दक्षिणी निगम ने 221 नाला बेलदारों को किया नियमित

कर्मचारियों के हित के लिए कार्य करता है दक्षिणी निगम : मुकेश सुर्यान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता और महापौर मुकेश सुर्यान ने गुरुवार को सिविक सेन्टर में आयोजित कार्यक्रम में 221 अस्थायी नाला बेलदारों को नियमित पद के लिए नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

इस अवसर पर महापौर मुकेश सुर्यान ने कहा कि हमने ये वादा किया था कि अस्थायी कर्मचारियों को नियमित किया जाएगा और इस वादे को पूरा करते हुए, आज हमने 221 नाला बेलदारों का नियमितीकरण किया है। दक्षिणी निगम सदैव कर्मचारियों के हित के लिए कार्य करता है और बाकी बचे अस्थायी कर्मचारियों को नियमित करने की प्रक्रिया चल रही है। इससे पूर्व शिक्षा व डैम्स विभाग में कार्यरत सफाई सैनिकों को भी नियमित किया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने दक्षिणी निगम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि निगम द्वारा लगातार अपने अस्थायी कर्मचारियों को नियमित किया जा रहा है। वित्तीय चुनौतियों के पश्चात् भी दक्षिणी निगम कुशल प्रबंधन कर अपने कर्मचारियों के हित के लिए कार्य कर रहा है और उन्हें पक्की नौकरियां प्रदान कर रहा है। उन्होंनें कहा कि कई कर्मचारी यूनियन द्वारा यह मांग की जाती है कि अस्थायी कर्मचारियों को

नियमित किया जाए और आज सभी यूनियन को आश्वस्त् किया जाता है कि दक्षिणी निगम में अस्थायी कर्मचारियों के नियमितिकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सफाई सैनिक निगम की पहचान है और उन्होंने कोरोना काल में ने अपनी जान की परवाह किए बिना अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन किया, उनका योगदान उल्लेखनीय है।

इस अवसर पर उप-महापौर पवन शर्मा, स्थायी समिति के अध्यक्ष कर्नल बी.के.ओबरॉय, आयुक्त ज्ञानेश भारती, अतिरिक्त आयुक्त रणधीर सहाय, अतिरिक्त आयुक्त रमेश वर्मा, प्रमुख अभियंता पी.सी.मीणा और अन्य पार्षदगण व निगम के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

डेल्हिवरी ने किया स्पॉटन का अधिग्रहण

नई दिल्ली। लॉजिस्टिक्स, एवं आपूर्ति श्रंखला सेवा कंपनियों में से एक डेल्हिवरी ने बेंगलुरु-स्थित स्पॉटन लॉजिस्टिक्स के अधिग्रहण की पुष्टि की। इस कदम से डेल्हिवरी की मौजूदा बी2बी क्षमताएं और अधिक मजबूत हो जाएंगी। इस अवसर पर डेल्हिवरी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, साहिल बरुआ ने कहा की यह प्रगति विकासोन्मुखी बनने और हमारे प्रत्येक बिजनेस लाइन को बढ़ाने के हमारे उद्देश्य के अनुरूप है। 10 वर्षों में, डेल्हिवरी ने बी2सी लॉजिस्टिक्स में अपना अग्रणी स्थान बनाया है और अब हमारे घटक, ट्रकलोड बिजनेस को स्पॉटन के साथ जोड़कर, हम बी2बी एक्सप्रेस में भी अपनी वैसी ही मजबूत स्थिति कायम करने की दिशा में अग्रसर होंगे। ज्यादा महत्व की बात यह है कि हम डेल्हिवरी और स्पॉटन दोनों के ग्राहकों को हमारे बी2सी एवं बी2बी एक्सप्रेस व्यवसायों की सहक्रियाओं का लाभ प्रदान करने की स्थिति में हैं, और हमारी समग्र आपूर्ति श्रृंखला क्षमताएं काफी बढ़ जाएंगी। स्पॉटन लॉजिस्टिक्स के प्रबंध निदेशक, अभिक मित्रा ने कहा की स्पॉटन टीम और मैं डेल्हिवरी की विकास और मूल्य-निर्माण की यात्रा का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हैं। डेल्हिवरी टीम ने थोड़े समय में भारत में लॉजिस्टिक्स एवं आपूर्ति श्रृंखला सेवा कंपनी के रूप में समग्र रूप से अग्रणी बनाने में जबरदस्त काम किया है। स्पॉटन को ग्राहक संबंधों और सेवा की गुणवत्ता, पेशेवर प्रबंधन और प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग पर ध्यान केंद्रित करने के लिए जाना जाता है, और डेल्हिवरी में भी ये सारी विशेषताएं मौजूद हैं और इस प्रकार, हम भारत की अग्रणी लॉजिस्टिक्स कंपनियों में से एक बन चुके हैं।

पार्कों व सड़कों का किया गया नामकरण

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल ने गुरुवार को ब्लॉक 6, गीता कॉलोनी में एक पार्क का नामकरण पूर्व मंडल अध्यक्ष, डॉक्टर जे.जी.साहनी के नाम पर किया। इसके अलावा महापौर ने गीता कॉलोनी वार्ड में दो सड़कों के नामकरण भी किए। लिंक रोड शास्त्री नगर की ओर जाने वाली सड़क का नामकरण पूर्व मंडल अध्यक्ष, स्वर्गीय सत्यपाल शर्मा के नाम से तथा गली नंबर 2, सरोजिनी पार्क, शास्त्री नगर स्थित सड़क का नामकरण समाज सेवक, वासुदेव शर्मा के नाम से किया गया। इस मौके पर स्थायी समिति अध्यक्ष, बीर सिंह पंवार तथा पूर्व महापौर एवं स्थानीय पार्षद, नीमा भगत भी मौजूद थीं। इसके अलावा पूर्वी दिल्ली के महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल द्वारा शकरपुर वार्ड में दो पार्कों का नामकरण किया गया। यू ब्लॉक स्थित पार्क का नाम महान क्रांतिकारी पंडित राम प्रसाद बिस्मिल एवं स्कूल ब्लॉक सर्विस लाइन पर स्थित पार्क का नाम भगवान परशुराम रखा गया। इस मौके पर विधायक, अभय वर्मा, स्थानीय पार्षद, नीतू त्रिपाठी भी उपस्थित थीं। इस मौके पर महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल ने सभी क्षेत्रवासियों को इस मौके पर बधाई देते हुए कहा कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की क्रान्तिकारी धारा के एक प्रमुख सेनानी थे। उन्होंने कहा कि प्रसाद 'बिस्मिल' एक महान क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि उच्च कोटि के कवि, शायर, अनुवादक, बहुभाषाविद् व साहित्यकार भी थे। दूसरी तरफ भगवान परशुराम विष्णु जी के अवतार के रूप में हर युग में हमारे मध्य विराजमान रहे और समस्त हिंदुओं के आराध्य है। इस अवसर पर विधायक अभय वर्मा जी ने कहा कि ऐसे महापुरुषों व हमारे आराध्य प्रेरणा स्रोत के नाम पर नामकरण करना बहुत प्रशंसनीय कार्य है।

चांदनी चौक से ही दिल्ली की प्रगति यात्रा जुड़ी है : आदेश गुप्ता

(एजेंसी)

नई दिल्ली । उत्तरी दिल्ली नगर निगम द्वारा ट्रेड लाइसेंस शुल्क में की गई वृद्धि को वापस किए जाने से व्यापारियों में संतोष का भाव है और गुरूवार को चांदनी चौक ट्रेडर्स परिषद ने वृद्धि वापसी के लिए एक समारोह आयोजित कर दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता, उत्तरी दिल्ली निगम के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह, स्थाई समिती अध्यक्ष जोगी राम जैन, नेता सदन छैल बिहारी गोस्वामी, पूर्व महापौर अवतार सिंह एवं चांदनी चौक से पार्षद रविन्द्र कुमार का अभिनंदन किया। परिषद की ओर चांदनी चौक के पूर्व पार्षद सुमन कुमार गुप्ता, अध्यक्ष सुरेश बिंदल, महासचिव हरिवंश शर्मा एवं कोषाध्यक्ष राजीव अग्रवाल आदि ने गणमान्य अतिथियों का अभिनंदन किया। चांदनी चौक एवं आसपास के क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यापारी नेताओं ने कार्यक्रम में सम्मलित होकर चांदनी चौक ट्रेडर्स परिषद की स्थापना के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह को सम्बोधित करते हुए आदेश गुप्ता ने कहा कि चांदनी चौक से ही दिल्ली की प्रगति यात्रा जुड़ी है।

सदियों से दिल्ली के आर्थिक विकास में चांदनी चौक एवं इसके आसपास के चावड़ी बाजार, लाल कुआं, खारी बावली, नया बाजार एवं सदर बाजार आदि इलाकों के थोक व्यापारियों का बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि जहां चांदनी चौक के व्यापार से मिले राजस्व से दिल्ली का विस्तार विकास हुआ है वहीं यहां के व्यापारियों ने दिल्ली के सांस्कृतिक धार्मिक विकास में भी बड़ा योगदान दिया है।

कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर की तैयारियों पर बोले सत्येंद्र जैन

बच्चों के लिए विशेष इंतजाम कर रही है सरकार

(एजेंसी)

नई दिल्ली । दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने गुरुवार को एलएनजेपी अस्पताल में नए जच्चा-बच्चा कोविड वार्ड के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। 100 से ज्यादा ऑक्सीजन बेड वाले इस वार्ड का निर्माण 15 अक्टूबर तक पूरा कर लिया जाएगा। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान द्वारा गठित एक पैनल ने हाल ही में केंद्र सरकार को रिपोर्ट सौंपी है। जिसमें अक्टूबर के मध्य में तीसरी लहर के आने एवं बच्चों के ऊपर ज्यादा असर होने की आशंका जताई गई है। दिल्ली सरकार संभावित कोविड-19 की तीसरी लहर को देखते हुए बच्चों के लिए विशेष इंतजाम कर रही है। राष्ट्रीय राजधानी में स्वास्थ्य संबंधी तैयारियों में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ रही है। सत्येंद्र जैन द्वारा किए गए निरीक्षण के वक्त दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल, अस्पताल के वरिष्ट कर्मचारी और डॉक्टर मौजूद थे। निरीक्षण के बाद सत्येंद्र जैन ने कहा कि बच्चों और माताओं के लिए विशेष वार्ड का निर्माण कार्य 15 अक्टूबर तक पूरा कर दिया जाएगा। हम बच्चों के उत्तम स्वास्थ्य और उनको कोरोना से बचाने के लिए विशेष कोविड-19 वार्ड तैयार कर रहे हैं।

- **एलएनजेपी अस्पताल में 15 अक्टूबर तक तैयार होगा सौ बेड का जच्चा-बच्चा वार्ड : सत्येंद्र जैन**
- **नए जच्चा-बच्चा कोविड वार्ड के निर्माण कार्य का किया निरीक्षण**

शहर में हालात की बारीकी से कर रहे हैं निगरानी : जैन

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर को लेकर शहर के सरकारी अस्पतालों में किए जा रहे अन्य कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि शहर में हालात की बारीकी से निगरानी कर रहे है। पिछली कोविड-19 की लहरों से मिले अनुभव का इस्तेमाल कर रहे हैं। केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के लिए सरकारी अस्पतालों की क्षमता को बढ़ाने की दिशा में कड़ी मेहनत कर रही है। हमारा पूरा ध्यान बच्चों और बड़े लोगों को बेहतर उपचार मुहैया कराने पर है। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने राजीव गांधी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में बुधवार को कोविड-19 रैपिड रिस्पांस सेंटर का उद्घाटन किया था। मरीजों के अस्पताल पहुंचते ही तुरंत इलाज मुहैया कराने के लिए इसे बनाया गया है, ताकि उनको इलाज के लिए भर्ती होने को लेकर दिक्कत ना उठानी पड़े। केजरीवाल सरकार दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की क्षमता बढ़ाने और गुणवत्ता में सुधार के लिए निरंतर युद्धस्तर पर काम कर रही है।

एमसीडी को करोड़ों का नुकसान पहुंचा रहे हैं भाजपा के नेता : सौरभ भारद्वाज

गैरकानूनी तरीके से विज्ञापन ठेकेदारों की लाइसेंस फीस पूरी तरह से की माफ : भारद्वाज

(एजेंसी)

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा शासित एमसीडी ने गैरकानूनी तरीके से विज्ञापन ठेकेदारों की लाइसेंस फीस पूरी तरह से माफ की। एनडीएमसी की स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में पास हुई मिनिट्स को बाद में अध्यक्ष छैल बिहारी गोस्वामी ने पत्र लिखकर अवैध तरीके से बदलवाया। भाजपा सांठगांठ कर विज्ञापन मुफ्त में लगवाती है।और इसके एवज में ठेकेदारों को जो करोड़ों रुपए एमसीडी को देना होता है उसे माफ करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा इन विज्ञापन ठेकेदारों का इस्तेमाल दिल्ली में मुफ्त में होर्डिंग लगाने के लिए करती है। भाजपा शासित एमसीडी को विज्ञापन से 2640 करोड़ रुपए का राजस्व मिल सकता है।

इसको भ्रष्टाचार कर भाजपा लूट रही है। भाजपा की ओर से घोटाले को छिपाने के लिए अवैध तरीके से बैठक के मिनट्स बदले गए। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और विधायक सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को प्रेस वार्ता को संबोधित किया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा शासित तीनों नगर निगमों को विज्ञापन से 2640 करोड़ रुपए का राजस्व मिल सकता है। उसको भ्रष्टाचार के चलते भाजपा लूट रही है।

स्टैंडिंग कमेटी के अंदर जो एजेंडा आया, वह अलग था

सौरभ भारद्वाज ने दस्तावेज दिखाते हुए कहा कि स्टैंडिंग कमेटी के अंदर जो एजेंडा आया, वह अलग था। स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष भाजपा के नेता छैल बिहारी गोस्वामी थे। छैल बिहारी गोस्वामी ने खुद अपने हाथ से पत्र लिखकर फीस माफी की डेडलाइन को एजेंडे से एक महीना और आगे बढ़ा दिया। विज्ञापन वालों की लाइसेंस फीस को पूरी तरह माफ कर दिया। स्टैंडिंग कमेटी के एजेंडे और मिनट्स में 22 मार्च से लेकर 7 जून तक लाइसेंस फीस माफ करने की बात थी।

हिंदू राव अस्पताल में आरटीपीसीआर लैब की शुरुआत

(एजेंसी)

नई दिल्ली । उत्तरी दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने गुरुवार को उत्तरी दिल्ली नगर निगम के हिंदू राव अस्पताल में कोविड-19 आरटीपीसीआर प्रयोगशाला का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर स्थायी समिति अध्यक्ष जोगी राम जैन, नेता सदन छैल बिहारी गोस्वामी, पूर्व महापौर अवतार सिंह, निदेशक अस्पताल प्रशासन, डॉ.संगीता नांगिया, चिकित्सा अधीक्षक, हिंदु राव अस्पताल डॉ. अन्नू कपूर, डीन, उत्तरी दिल्ली नगर निगम मेडिकल कॉलेज, डॉ.सूदान सिंह व निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित। इस अवसर पर महापौर राजा इकबाल सिंह ने बताया कि उत्तरी दिल्ली

नगर निगम कोरोना की तीसरी लहर के मद्देनजर अपने संसाधनों को और सुदृढ़ कर रही है। जिसके तहत उत्तरी दिल्ली नगर निगम के हिंदू राव अस्पताल में कोविड-19 आर.टी.पी.सी.आर प्रयोगशाला शुभारंभ किया गया है। उन्होंने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम नागरिकों को हर संभव सुविधा प्रदान करने के लिए दिन रात कार्य कर रही है। राजा इकबाल सिंह ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान उत्तरी दिल्ली नगर निगम के सभी डॉक्टरों, नर्सों, पैरा मेडिकल स्टाफ़ व अन्य कर्मचारियों ने दिन रात कार्य कर नागरिकों की सेवा करने का काम किया था।

उन्होंने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम विपरीत परिस्थितियों में भी नागरिकों को सभी सुविधाएं प्रदान करने का हर संभव प्रयास कर रही है। स्थायी समिति अध्यक्ष जोगी राम जैन ने बताया कि पहले हिंदू राव अस्पताल में कोरोना के लगभग 50 नमूने प्रतिदिन लिए जाते थे जिसके बाद उन्हें बाहर जाँच के लिए भेजा जाता था। मगर अब हिंदू राव अस्पताल में कोविड-19 आर.टी.पी.सी.आर प्रयोगशाला के शुभारंभ होने के बाद लगभग 180 नमूनों की जांच प्रतिदिन यहीं की जा सकेगी।

आयोजन एचसीएल के सह-संस्थापक अर्जुन मल्होत्रा ने बच्चें के साथ अपने अनुभवों को किया साझा

जीवन में आगे बढ़ने के लिए आत्म विश्वास का होना बेहद जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। **एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट करिकुलम के तहत दिल्ली सरकार दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए सफल एंटरप्रेन्योरर्स के साथ लाइव इंटरेक्शन सेशन का आयोजन करती है। गुरुवार को इस लाइव इंटरेक्शन सीरीज के 19वें सत्र में एचसीएल के सह-संस्थापक अर्जुन मल्होत्रा ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों के बच्चों के साथ इंटरेक्शन किया। इस इंटरेक्शन में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी मौजूद रहे। अर्जुन मल्होत्रा ने बच्चों के साथ बातचीत कर एंटरप्रेन्योरशिप को लेकर अपने अनुभवों को साझा किया। बच्चों ने उनसे एचसीएल की शुरुआत के दौरान आई चुनौतियों, अनुभवों और एक एंटरप्रेन्योर के रूप में उनकी यात्रा संबंधी कई सवाल पूछे। मल्होत्रा ने कहा कि जब आप किसी काम को करते हैं तो सोचिए कि समय कैसे बचाया जाए।**

- **जिंदगी में सफल होने के लिए डिग्री एकत्र करने से ज्यादा जरूरी है एंटरप्रेन्योर माइंडसेट का होना : सिसोदिया**

अपने अनुभवों को साझा करते हुए एचसीएल के सह-संस्थापक अर्जुन मल्होत्रा ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए सेल्फ-मोटिवेशन और आत्म विश्वास बेहद जरूरी है।

मुझे एचसीएल की शुरुआत के दौरान ये विश्वास था कि माइक्रो-प्रोसेसर कंप्यूटर की दुनिया में बड़ा बदलाव लाएंगे इसलिए नौकरी छोड़कर मैंने अपने दोस्तों के साथ मिलकर एचसीएल की शुरुआत की7 उन्होंने कहा कि जब आप किसी काम को करते हैं तो सोचिए कि समय कैसे बचाया

जाए। उसे कैसे बेहतर किया जाए जब आप ऐसा करना शुरू कर देंगे तब कोई भी ऐसी समस्या नहीं होगी जिसका समाधान आपके पास न हो।

उन्होंने कहा कि हमेशा खुद से ज्यादा स्मार्ट लोगों को ढूंढने का प्रयास करे उनकी बातों को ध्यान से सुने। साथ ही अपने गलत निर्णयों को स्वीकार करना सीखें। एक एंटरप्रेन्योर के रूप में आपकी यात्रा में ये चीजें सफल होने में आपकी मदद करेंगी। अर्जुन मल्होत्रा ने कहा कि एक बेहतर और सफल एंटरप्रेन्योर बनने के लिए जरूरी है कि आप अपने सहकर्मियों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं।

एक टीम लीडर के रूप में आप हमेशा अपने टीम मेंबर्स को सपोर्ट करें और उनका उत्साह बढ़ाएं। ये बेहद जरूरी है कि आप अपने साथ काम करने वाले लोगों को महत्वपूर्ण महसूस करवाएं। इससे उनके काम करने की क्षमता बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि रोज रात में सोने से पहले अपने द्वारा दिन में किए गए सभी कामों के बारे में सोचें और यदि आपने कुछ गलत किया है तो अगले दिन संबंधित व्यक्ति से माफी मांगें। आपका ये व्यवहार आगे बढ़ने में आपकी मदद करेगा। बच्चों को 'लर्निंग लीड्स अचीवमेंट' का मंत्र देते हुए अर्जुन मल्होत्रा ने कहा कि आप हमेशा सीखने के लिए तैयार रहे और सीखते रहें क्योंकि आगे बढ़ने में ये आपकी मदद करेगा।

उन्होंने कहा कि आप किसी एक विषय में विशेषज्ञ हो सकते है लेकिन उसके अलावा भी आपको हमेशा बाकी चीजें सीखने के लिए तैयार होना चाहिए। एक एंटरप्रेन्योर के रूप में आगे बढ़ने के लिए आल-राउंडर की तरह काम करना ज़रूरी है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट करिकुलम से बच्चों में ग्रोथ माइंडसेट का विकास होगा जिससे वो चाहे एंटरप्रेन्योर बने या किसी कंपनी में नौकरी करें, हमेशा आगे बढ़ते रहेंगे। आपके पास चाहे कितनी भी डिग्री क्यों न हो , लेकिन यदि आप में एंटरप्रेन्योर माइंडसेट नहीं है तो उन डिग्री का कोई महत्व नहीं है।

उन्होंने कहा कि ईएमसी पढ़कर बच्चे जॉब सीकर के बजाय जॉब प्रोवाइडर बनेंगे और विकासशील भारत को विकसित भारत बनाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने साझा किया कि आने वाले दिनों में जोनल व डिस्ट्रिक्ट लेवल पर ईएमसी के अंतर्गत सीड मनी प्रोजेक्ट से 100 सबसे अच्छे प्रोजेक्ट्स की प्रदर्शनी लगाई जाएगी जिसे प्रसिद्ध सफल एंटरप्रेन्योर और विश्वविद्यालयों द्वारा मूल्यांकित किया जाएगा। इनमें टॉप 10 प्रोजेक्ट्स में शामिल बच्चों को एनएसयूटी और डीटीयू में बीबीए कोर्स में सीधे दाखिला दिया जाएगा।

हृदय के साथ मस्तिष्क का भी ध्यान रखना जरूरी है

आज के समय में स्ट्रेस होना बेहद स्वाभाविक है। यह आपके कार्य क्षमता को बढ़ाता है। लेकिन अगर लंबे समय तक कोई व्यक्ति लगातार तनाव में रहे तो यह आपके लिए खतरनाक हो सकता है। रोचेस्टर मेडिकल सेण्टर विश्वविद्यालय में हुई रिसर्च बताती है कि तनाव लेने से शरीर से कॉर्टिसोल नामक हार्मोन रिलीज होता है। ऐसे में जब व्यक्ति अधिक तनाव लेता है तो यह हार्मोन अधिक मात्रा में रिलीज होता है। जिसकी वजह से रक्त कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड्स, रक्त शर्करा और रक्तचाप बढ़ने लगता है। यही नहीं इसकी वजह से रक्त धमनियों में हानिकारक परत जमा होने लगता है। इससे रक्त प्रवाह में समस्या पैदा होने लगती है और स्ट्रोक आने का खतरा भी बढ़ जाता है।

दिमाग का दिल से है बड़ा गहरा कनेक्शन, एक परेशान तो दूसरा भी होता है दुखी रोग के स्थान दो होते हैं एक शरीर और मन मन दुखी हो तो उसका प्रभाव शरीर पर पड़ता हैं और शरीर दुखी हो तो उसका प्रभाव मन पर पड़ता हैं दोनों एक दूसरे के पूरक .मन स्वयं बहुत विस्त्रीत हैं उसके सम्पर्क में हमारा दिल जो शरीर का महत्वपूर्ण अंग हैं प्रभावित होता हैं उस कारण अनेक शरीरिक और मानसिक रोग होते हैं .वर्तमान में मानव समाज दोनों तरह के रोगों से संक्रमित हैं .इसके प्रभाव से बचने हमे मानसिक रोगों से बचना बहुत आवश्यक हैं ।

आपने अक्सर लोगों को कहते सुना होगा कि हृदय का ध्यान रखें। उसके लिए अच्छी डाइट ले एक्सरसाइज करें। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हृदय के साथ मस्तिष्क का भी ध्यान रखना जरूरी है। अएक स्वस्थ शरीर के लिए हृदय का रोग मुक्त होना और मजबूत होना बेहद जरूरी होता है। इसलिए अक्सर विशेषज्ञ हृदय को स्वस्थ रखने के लिए एक बेहतर जीवन शैली, खान पान और व्यायाम करने की सलाह देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक स्वस्थ हृदय बनाने के लिए आपको अपने मस्तिष्क का भी उतना ही ख्याल रखना होगा। हाल ही में हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की वेबसाइट पर इससे जुड़ा एक लेख प्रकाशित किया गया है। इस लेख में बताया गया है कि मस्तिष्क पर पड़ने वाले दबाव का असर हृदय पर भी पड़ता है।

इसकी वजह से हृदय रोग तक पैदा हो जाते हैं। ऐसी ही कई दूसरी रिसर्च भी हो चुकी हैं जो बताती हैं कि हृदय और मस्तिष्क दोनों का स्वास्थ एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। रिसर्च में यह भी बताया गया है कि मानसिक विकार आपके व्यवहार पर असर डालते हैं। यही नहीं डिप्रेशन की वजह से आप अपनी दिनभर के कामकाज में भी मन नहीं लगा पाते और इसमें ही फंसते जाते हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं कि आखिर कौन सी स्थिति मस्तिष्क और हृदय के लिए खराब हैं। साथ ही कैसे हम इन दोनों का ख्याल रख सकते हैं।

स्ट्रेस का हृदय पर असर

आज के समय में स्ट्रेस होना बेहद स्वाभाविक है। यह आपके कार्य क्षमता को बढ़ाता है। लेकिन अगर लंबे समय तक कोई व्यक्ति लगातार तनाव में रहे तो यह आपके लिए खतरनाक हो सकता है। रोचेस्टर मेडिकल सेण्टर विश्वविद्यालय में हुई रिसर्च बताती है कि तनाव लेने से शरीर से कॉर्टिसोल नामक हार्मोन रिलीज होता है। ऐसे में जब व्यक्ति अधिक तनाव लेता है तो यह हार्मोन अधिक मात्रा में रिलीज होता है।

जिसकी वजह से रक्त कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड्स, रक्त शर्करा और रक्तचाप बढ़ने लगता है। यही नहीं इसकी वजह से रक्त धमनियों में हानिकारक परत जमा होने लगता है। इससे रक्त प्रवाह में समस्या पैदा होने लगती है और स्ट्रोक आने का खतरा भी बढ़ जाता है।

नोट - आपको बता दें कि स्ट्रेस की वजह नींद, काम और रिश्तों में हुई अनबन भी हो सकती है। ऐसे में अधिक स्ट्रेस लेने से बचें।

डिप्रेशन से हृदय रोग

डिप्रेशन और हृदय रोग एक दूसरे से पूरी तरह ही जुड़े हुए हैं। हाल ही में हुए शोध बताते हैं कि डिप्रेशन की वजह से कोरोनरी धमनी रोग का खतरा लगभग दोगुना हो जाता है। वहीं अन्य अध्ययनों की माने तो ऐसे लोग जो पहले से ही हृदय रोग से पीड़ित हैं। उनमें डिप्रेशन होने का खतरा तीन गुना ज्यादा होता है। इसके अलावा एक अन्य शोध में पता चला है कि हर पांच में से एक व्यक्ति डिप्रेशन का शिकार होता है। यही नहीं ऐसे लोग जो डिप्रेशन के शिकार हैं और पहले से ही किसी हृदय रोग से पीड़ित हैं। उन्हें हार्ट अटैक आने का खतरा भी अधिक रहता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह लोग ना तो ऐसे में धूम्रपान छोड़ते हैं, ना अल्कोहल और ना ही व्यायाम करते हैं।

बचपन का कोई बुरा अनुभव की वजह से हृदय रोग

कमजोर हृदय और हृदय रोग की एक वजह कम आयु में हुए कुछ हादसे भी हो सकते हैं। ज अ म अ कार्डियोलॉजी के एक शोध से यह पता चला है कि जिन लोगों ने बचपन में शारीरिक शोषण, यौन शोषण और घरेलू हिंसा देखी हो। उनमें हृदय रोग का खतरा अधिक होता है। साथ ही इन लोगों की हार्ट अटैक की वजह से मौत भी हो सकती है। वहीं ऐसे लोग जिन्होंने बचपन में ऐसा कुछ बुरा अनुभव ना किया हो, उन्हें हृदय रोग का खतरा कम ही होता है।

अन्य कारण जो हृदय रोग कारण बनते हैं

ऐसे लोग जो अधिक गुस्सा करते हैं, उन्हें हृदय रोग का खतरा बना रहता है। जो लोग मन में किसी तरह की शत्रुता का भाव रखते हैं और अंदर ही अंदर एक द्वेष पाल लेते हैं। उन्हें हृदय रोग हो सकते हैं।

वह लोग जो समाज द्वारा अपनाए नहीं जाते या जिन्हें अलग नजर से देखा जाता है। इन लोगों के मस्तिष्क पर इसका असर पड़ता है। जिससे हृदय रोग भी पैदा हो सकता है। ऐसे कई अन्य मनोवैज्ञानिक रोग हैं जिसकी वजह से यह समस्या हो सकती है।

हृदय और मस्तिष्क का ख्याल रखने के उपाय

कैलोरीज बर्न करें - अगर आप अच्छी तरह व्यायाम करते हैं तो इसके जरिए शरीर पर तनाव का प्रभाव कम हो सकता है। इसलिए आप सप्ताह में कम से कम 150 मिनट तक थोड़ी तीव्रता वाली एक्सरसाइज जरूर करें। इसके लिए आप अपने रोजाना के व्यायाम के सत्र को 30 से 40 मिनट में विभाजित करें।

रिश्ते बनाएं - अगर आप कुछ लोगों से अपने रिश्ते बना सकते हैं तो जरूर अपनाएं। इन लोगों के साथ समय बिताएं और घूमने फिरने जाए। इस तरह आप खुश रहते हैं और हृदय भी मजबूत रहता है।

मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें -

अगर आप अक्सर झल्लाए हुए या तनाव में रहते हैं तो इसकी वजह तनाव या डिप्रेशन हो सकता है। इसके लिए आप किसी डॉक्टर या विशेषज्ञ से संपर्क करें। अगर आप चाहें तो इनसे राहत पाने के लिए योग या मेडिटेशन का भी सहारा ले सकते हैं।

नींद पर दें ध्यान - ऐसे लोग जो सही प्रकार नींद लेते हैं उनमें तनाव और हृदय रोग का खतरा कम पाया गया है। यही नहीं हाल ही में हुए शोध बताते हैं कि बेहतर नींद की वजह से लिपिड मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है। जिसकी वजह से व्यक्ति लंबे समय तक जीवित रहता है।

स्वस्थ आहार -

हार्वर्ड हेल्थ के अनुसार, शोध से पता चलता है कि अगर आप अपने हृदय और मस्तिष्क का ध्यान रखना चाहते हैं तो इसके लिए हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करें। इसके अलावा आप ड्राई फ्रूट्स, बैरीज, का सेवन भी कर सकते हैं। इसके जरिए आपकी ब्लड वेसल्स सुरक्षित रहती हैं, और आप तंदुरुस्त रहते हैं। स्ट्रेस की वजह जाने - जब तक आप स्ट्रेस की मुख्य वजह या कारण को नहीं जानेंगे तब तक आप इससे डील नहीं कर पाएंगे। इसलिए स्ट्रेस की मुख्य वजह को पहचाने और उसे हटाएं।

मस्तिष्क करें एक्टिव -

अगर आप मस्तिष्क को स्वस्थ रखना चाहते हैं, तो किसी तरह की गतिविधि को अपनाएं जो आपके मस्तिष्क को पूरी तरह सक्रिय करके रखें। आप कई स्पोर्ट्स, जिम, या अन्य गतिविधियों के बारे में विचार कर सकते हैं।

संपादकीय

पाक की मंशा

अफगानिस्तान में तालिबान के शासन के बाद यह तो साबित हो गया है कि उसमें अकेले इतनी ताकत नहीं थी कि वह देखते-देखते देश पर कब्जा करने की सोचता। तालिबान की इस मंशा को पाकिस्तान ने हवा दी और आगे बढने का हौसला दिया। पाकिस्तान को लगता है कि अफगानिस्तान में तालिबान को काबिज कर वह भारत के खिलाफ अपनी लड़ाई में भारी पड़ सकता है। कुछ लोग इस राय से जुदा होंगे, लेकिन आज अफगानिस्तान के हालात पर पाकिस्तान में जिस तरह से खुशी जताई जा रही है, वह यह बताने के लिए काफी है कि पड़ोसी मुल्क में अब इतनी कुव्वत नहीं रह गई है कि आमने-सामने मुकाबला कर सके। खैर, तालिबान को प्रश्रय देकर पाकिस्तान अपने मंसूबे में सफल हो गया है तो इससे भारत की चिंता नहीं बढ़ी, ऐसा मानना बेमानी होगा। अफगानिस्तान के हालात पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत ने जो चिंताएं रखी हैं, उनका सरोकार सभी देशों से है। ज्यादातर देश किसी न किसी रूप में आतंकवाद और मुल्कों के टकराव से होने वाली अशांति के खतरों से जूझ रहे हैं। भारत ने साफ कहा है कि अफगानिस्तान के हालात न सिर्फ क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक शांति के लिए भी गंभीर चुनौती बन गए हैं। भारत ने एक फिर दोहराया है कि अब किसी भी तरह से दुनिया से आतंकवाद का खात्मा करना होगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सुरक्षा परिषद के विशेष सत्र में पाकिस्तान का नाम लिए बिना उन देशों को आड़े हाथों लिया जिनका मूल काम आतंकवाद को बढ़ावा देना है। अफगानिस्तान में सत्ता पलट के घटनाक्रम से सबसे ज्यादा जो देश प्रभावित हुए हैं उनमें भारत भी है। इसलिए अब सुरक्षा परिषद में अफगानिस्तान के मुद्दे पर भारत कुछ रहा है तो उसकी अहमियत ज्यादा ही है। भारत ने जिस सबसे गंभीर मुद्दे पर वैश्विक समुदाय का ध्यान खींचा है वह आतंकी संगठनों को बढ़ावा देने वाले देशों को लेकर है। सवाल है कि इन देशों से निपटने की रणनीति क्या बने ? अफगानिस्तान के हालात बता रहे हैं कि आतंकवाद से निपटने में अगर वैश्विक समुदाय ने इच्छाशक्ति नहीं दिखाई तो भविष्य में हालात और बदतर होते चले जाएंगे। दूसरे और देश भी आतंकवाद की जद में आते जाएंगे। गंभीर होते जा रहे हालात में भारत ने यह भी दोहराया है कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देशों पर कार्रवाई के लिए बनाए गए वित्तीय कार्रवाई कार्यबल को और सशक्त बनाने की जरूरत है। गौरतलब है कि इस बल ने पाकिस्तान को निगरानी सूची में डाल रखा है। यह तो पूरी दुनिया जान रही है कि दूसरे देशों की तरह भारत भी लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद की मार झेल रहा है। अब तक अमेरिका के साथ भारत भी यही कहता रहा है कि पाकिस्तान आतंकियों के प्रशिक्षण का वैश्विक केंद्र है। वैश्विक अनुभव भी यही बता रहा है कि अफगनिस्तान में तालिबान को सत्ता तक पहुंचाने में पाकिस्तान की भूमिका भी कम बड़ी नहीं रही है। कहा जाता है कि उसने तालिबान के लिए लड़ाके तैयार किए और सैन्य मदद भी दी। ढाई दशक पहले जब तालिबान ने सत्ता पर कब्जा किया था तब भी उसे पाकिस्तान ने समर्थन दिया था। आज भी पाकिस्तान का तालिबान को खुला समर्थन है। लेकिन ज्यादा चिंता की बात तो यह है कि अबकी बार चीन, रूस, बांग्लादेश जैसे कई और मुल्क भी तालिबान को समर्थन देने से परहेज नहीं कर रहे।

दुनिया में सबसे बेहतर भारत के तेज गेंदबाज, जानिए कैसे भारतीय पेस बैटरी बनी इतनी खतरनाक

साल 1932 में जब भारत ने पहली बार टेस्ट क्रिकेट खेलना शुरू किया उस समय टीम इंडिया में मोहम्मद निसार और अमर सिंह नाम के दो ऐसे तेज गेंदबाज थे जिन्होंने इंग्लैंड की नाक में दम कर दिया था। इन दोनों गेंदबाजों ने दुनिया को बताया कि भारतीय टीम के पास भी ऐसे तेज गेंदबाज है जो विरोधी टीमों को अपनी रफ्तार से परेशान कर सकते है। इसके बाद समय आगे बढ़ता गया और भारतीय टीम टेस्ट क्रिकेट में अपने पैर जमाने लगी थी लेकिन इस दौरान भारत के पास से तेज गेंदबाजों की हमेशा ही कमी रहती थी। 70-80 के दौर के आस पास तो टीम पूरी तरह से स्पिनर्स पर निर्भर रहने लगी थी। ऐसे में भारत के लिए तेज गेंदबाजों में उम्मीद की किरण बनकर आए कपिल देव।

भारतीय क्रिकेट एक वक्त पर तेज गेंदबाजों के लिए तरसता था। एक दौर था जब टीम इंडिया में तेज गेंदबाजों का बड़ा अकाल था। भारत की प्लेइंग 11 में तीन-तीन स्पिनर खेला करते थे और तेज गेंदबाज को सिर्फ गेंद पुरानी करने के तौर पर ही देखा जाता था। लेकिन आज भारतीय तेज गेंदबाजी बदल चुकी है। हाल ही में लॉर्ड्स में खेले गए टेस्ट मैच में जिस तरह से भारतीय तेज गेंदबाजों ने टीम इंडिया को एतिहासिक जीत दिलाई है उसके बाद से मानों हर कोई भारत की तेज गेंदबाजी अटैक की तारीफ कर रहा है। एक समय पर विदेशी सरजमीं पर भारतीय टीम तेज गेंदबाजों की कमी खलती थी। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका से लेकर इंग्लैंड जैसे देशों में जब विरोधी टीम के तेज गेंदबाज भारत के बल्लेबाजों का विकेट निकालते थे तो हर भारतीय क्रिकेट प्रेमी के मन में चाहत होती थी कि काश टीम इंडिया के पास भी तेज गेंदबाजों की कमी ना होती और टीम विदेशी सरजमीं पर तेज पिचों का फायदा उठाकर जीत दर्ज करती।

मोहम्मद निसार और अमर सिंह से शुरू हुआ यह सफर काफी आगे बढ़ चुका है: साल 1932 में जब भारत ने पहली बार टेस्ट क्रिकेट खेलना शुरू किया उस समय टीम इंडिया में मोहम्मद निसार और अमर सिंह नाम के दो ऐसे तेज गेंदबाज थे जिन्होंने इंग्लैंड की नाक में दम कर दिया था। इन दोनों गेंदबाजों ने दुनिया को बताया कि भारतीय टीम के पास भी ऐसे तेज गेंदबाज है जो विरोधी टीमों को अपनी रफ्तार से परेशान कर सकते है। इसके बाद समय आगे बढ़ता गया और भारतीय टीम टेस्ट क्रिकेट में अपने पैर जमाने लगी थी लेकिन इस दौरान भारत के पास से तेज गेंदबाजों की हमेशा ही कमी रहती थी। 70-80 के दौर के आस पास तो टीम पूरी तरह से स्पिनर्स पर निर्भर रहने लगी थी। ऐसे में भारत के लिए तेज गेंदबाजों में उम्मीद की किरण बनकर आए कपिल देव। इस ऑलराउंडर ने पूरी दुनिया में भारत के नाम का डंका बजाया। अपनी तेज गेंदबाजी से कपिल भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में 434 विकेट झटक पाए। इसके बाद भारतीय क्रिकेट में तेज गेंदबाजों का आना शुरू हुआ। जहां जवागल श्रीनाथ, जहीर खान, वेंकटेश प्रसाद, इरफान पठान और आशीष नेहरा जैसे गेंदबाज आए। हालांकि इस दौरान एक कमी हमेशा से खली कि जब भी टीम इंडिया कोई मुकाबला खेलती उस समय टीम के पास प्लेइंग 11 में एक मजबूत तेज गेंदबाज हुआ करता था लेकिन कभी भारत के पास तेज गेंदबाजी की ऐसी फौज नहीं रही जिसके सभी गेंदबाज विरोधी टीम के नाक में दम कर सके।

विराट युग में भारत में बनाई गई तेज गेंदबाजों की फैक्ट्री: विराट कोहली साल 2014 में भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान बनते हैं। इसके बाद टीम इंडिया में बदलाव का दौर शुरू होता। विराट कोहली अपनी फिटनेस पर ध्यान देने लगते है साथ ही वो इस फिटनेस के रिवाज को टीम इंडिया में शुरू करना चाहते हैं। विराट चाहते थे कि भारतीय टीम फिटनेस में अव्वल हो जिसकी वजह से खिलाड़ियों के खेल में और ज्यादा निखार आएं। ऐसे में इस फिटनेस का फायदा भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण को भी हुआ और टीम इंडिया में एक एक कर इतने शानदार तेज गेंदबाज आए जिसकी वजह से भारत के पास तेज गेंदबाजी में कमाल का ग्रुप तैयार हो गया और टीम इंडिया हर विरोधी टीम पर भारी पड़ने लगी।

हाल ही में लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए टेस्ट मैच में भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण ने मैच के आखिरी दिन 60 ओवर के भीतर ही इंग्लैंड को ऑल आउट कर दिया। इस दौरे पर अभी तक खेले गए दोनों टेस्ट मैच में टीम इंडिया के गेंदबाजों ने सभी 40 विकेट झटके है। ऐसे में इस तरह की शानदार तेज गेंदबाजी का श्रेय भारतीय खिलाड़ियों की कमाल की फिटनेस को भी जाता है। इसके अलावा जिस तरह से विराट कोहली ने तेज गेंदबाजों को इस दौरान सपोर्ट किया और टीम में लगातार तेज गेंदबाजों को मौके देते रहे और उनके कॉन्फिडेंस को बढ़ाकर रखा। इसकी वजह से भारतीय को मौजूद दौर में वर्ल्ड क्लास तेज गेंदबाजी लाइनअप मिला। विराट कोहली हमेशा से भारत की तेज गेंदबाजी को मजबूत करना चाहते थे और वह जानते थे कि अगर भारत की तेज गेंदबाजी यूनिट मजबूत नहीं हुई तो टीम इंडिया टेस्ट में लंबे समय तक नंबर एक के स्थान पर नहीं काबिज हो सकती। पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट एलेन डोनाल्ड विराट के सात तकरीबन छह साल पहले हुई बातचीत को याद कर एक इंटरव्यू में बताते है कि ह्लमुझे याद है कि विराट कोहली ने साल 2015 में मुझे कहा था कि भारत नंबर-1 टेस्ट टीम बनेगी और वो गलत नहीं था। उसे पता था कि वो कहा जा रहा था। उसने कहा था कि मुझे एक सबसे फिट टीम चाहिए। वो भारत को इस दुनिया की सबसे महान टीम बनाना चाहता था। उसे पता था कि एक दिन हम विदेशों में भी जीत दर्ज करेंगे। हम दुनिया में किसी भी टीम को हरा पाएंगे। हमारे पास बेहद शानदार गेंदबाजी अटैक होगा।' जाहिर है फिटनेस मजबूत होने की वजह से भारतीय तेज गेंदबाजी को काफी फायदा हुआ है इसके अलावा टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच भरत अरूण की मेहतन को भी नजरअंदाज करना गलत होगा। क्योंकि भरत अरूण की कोचिंग में टीम इंडिया के गेंदबाज हमेशा बेहतर होते गए। तभी तो आज भारतीय टीम के पास जसप्रीत बुमराह, इशांत शर्मा, मोहम्मद शमी, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, भुवनेश्वर कुमार, उमेश यादव, दीपक चाहर सहित ना जाने कितने तेज गेंदबाज मौजूद है जो किसी भी टीम के खिलाफ अकेले दम पर मैच जिताने का कारनामा कर चुके है। इसके अलावा हर साल आईपीएल में चेतन सकारिया, कार्तिक त्यागी, शिवम मावी जैसे कितने तेज गेंदबाज आते है जो भारतीय टीम में अपनी दावेदारी ठोकते हैं।

कोविड टीकाकरण में लगातार आगे बढ़ता मध्यप्रदेश

कोरोना जैसी घातक बीमारी से बचाव के दो ही महत्वपूर्ण शस्त्र है। एक वैक्सीन और दूसरा मास्क। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान लगातार इन दोनों शस्त्रों का उपयोग कर कोरोना को हराने की अपील प्रदेशवासियों से कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि हम सब इस अपील को जीवन में उतारें। घर के बाहर निकलते ही मास्क जरूर लगायें। इसके साथ ही 25 अगस्त से शुरू हो रहे दो दिवसीय वैक्सीनेशन महा-अभियान-2 में सक्रिय भागीदारी निभायें। निर्धारित टीकाकरण केन्द्रों में स्वयं और अपने परिजनों को वैक्सीन लगवाने के साथ ही पड़ोसियों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

कोविड-19 टीकाकरण के फायदे टीके महामारी नियंत्रण के लिए कारगर शस्त्र हैं। पूर्ण टीकाकरण पश्चात बीमारी दर में अत्यन्त कमी देखी गई है। जिन्हें दोनों टीके सही समय पर लग चुके हैं उनमें मृत्यु दर, कोविड पश्चात विकलांगता दर में आशातीत कमी पायी गयी है। टीके बीमारी से लड़ने के लिए शरीर की प्रतिरक्षक प्रणाली को मजबूत करते हैं। टीके संक्रमण दर में अत्यंत गिरावट लाते हैं। शारीरिक, मानसिक, मनोवैज्ञानिक परेशानियों से बचाते हैं। टीके बीमारी उन्मूलन में सहायक हैं। टीके ष्आउट ऑफ पॉकेटष हर परिवार का खर्च बचाते हैं।

कोरोना जैसी घातक बीमारी से बचाव के दो ही महत्वपूर्ण शस्त्र है। एक वैक्सीन और दूसरा मास्क। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान लगातार इन दोनों शस्त्रों का उपयोग कर कोरोना को हराने की अपील प्रदेशवासियों से कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि हम सब इस अपील को जीवन में उतारें। घर के बाहर निकलते ही मास्क जरूर लगायें। इसके साथ ही 25 अगस्त से शुरू हो रहे दो दिवसीय वैक्सीनेशन महा-अभियान-2 में सक्रिय भागीदारी निभायें। निर्धारित टीकाकरण केन्द्रों में स्वयं और अपने परिजनों को वैक्सीन लगवाने के साथ ही पड़ोसियों को भी इसके लिए प्रेरित करें। कोरोना की तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए जरूरी है कि सभी डबल सुरक्षा के लिये वैक्सीन का दूसरा डोज भी लगवायें।

कोविड-19 वैक्सीनेशन महा-अभियान-2 प्रदेश के सभी जिलों में एक साथ आयोजित होगा, जिसमें 20 लाख व्यक्तियों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य है।

नहीं है कोई प्रतिकूल प्रभाव

प्रदेश में अभी तक 4 करोड़ से अधिक लोगों को टीका लग चुका है। इनमें किसी को भी गंभीर प्रतिकूल प्रभाव (साइड इफेक्ट) की रिपोर्ट टीकाकरण सेंटर में नहीं मिली है।

कुछ लोगों में कोविड-19 के प्रति विभिन्न प्रकार की भ्रांतियाँ हैं। खासतौर से गाँवों और ग्रामीण क्षेत्रों में, जिनका वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं है। जैसे टीका लगवाने के कुछ दिन बाद मेरे पड़ोसी की मृत्यु हो गयी, टीका लगवाने के बाद बीमार हो गये, इससे नसबंदी हो जाती है, फेफड़े खराब हो जाते हैं, टीका लगवाते ही कोरोना हो जाता है आदि। यह सब भ्रांतियाँ सत्य से कोसो दूर हैं। टीका पूरी तरह से असरकारी और हानिरहित है। आज तक कोई ऐसी दवा नहीं बनी है, जिससे किसी को बीमार किया जा सके। अफवाहों पर हमें ध्यान नहीं देना है।

आप दें साथ तो बने बात

टीका हमारा दोस्त है, दुश्मन नहीं। हमें डरना नहीं है बल्कि इस बात को समझना है कि टीके से ही हमने बड़ी माता (स्माल पॉक्स), पोलियो और नवजात शिशुओं में टिटनेस जैसी बीमारियों का अन्त किया है। टीका लगवाने के बाद कुछ लोगों को एक-दो दिन बुखार या बदन दर्द जैसे कुछ लक्षण आना सामान्य बात है। यह एकदम मामूली प्रभाव है, जो कुछ ही घंटों में समाप्त हो जाते हैं। शरीर का प्रतिरक्षा तंत्र विकसित होने की प्रक्रिया में यह लक्षण आना सामान्य बात है।

कोविड-19 टीकाकरण पश्चात सामान्य प्रतिक्रियाएँ

कुछ लोगों को टीका लगने के बाद मामूली दर्द, हल्का बुखार, थोड़ी सूजन, लालामी, दर-दरे, खुजली जैसे लक्षण आते हैं, जो 24 से 48 घंटे में खुद ही ठीक हो जाते हैं। इसलिये घबराने या डरने की कोई बात नहीं है। यह सभी लक्षण दशार्ते हैं कि बीमारी से लड़ने की ताकत शरीर में पहुँच चुकी है, इससे घबराएँ नहीं। दर्द या बुखार अधिक होने पर पैरासिटामोल गोली राहत दिलाती है।

सुई लगे स्थान पर ठंडे पानी की पट्टी लगा सकते हैं। अन्य कोई तकलीफ होने पर लोअप के लिए 24 घण्टे परामर्श संपर्क नंबर-108 एवं 1075 हमेशा उपलब्ध हैं। निरूशुल्क परिवहन एंबुलेंस 108 सेवा उपलब्ध है। टीके का नसबंदी से दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है। यह कोरी अफवाह है। टीका लगवाने से फेफड़े खराब होने की बात भी पूरी तरह से तथ्यहीन है। फेफड़े कोरोना संक्रमण से खराब होते हैं। यह टीका तो कोरोना संक्रमण से प्रभावी सुरक्षा देता है।

विशेषज्ञों के अनुसार यह टीका किशोरी बालिकाओं और महिलाओं द्वारा माहवारी के दौरान भी लगवाया जा सकता है।

यह धारणा सही नहीं है कि टीकाकरण तो गर्भवती महिलाओं और शिशुओं का किया जाता है, बड़ों का नहीं। इसका माकूल उत्तर यह है कि जैसे शिशु को टीकाकरण से जानलेवा रोगों से सुरक्षा मिलती है, वैसे ही बड़ों को कोरोना संक्रमण से सुरक्षा के लिए यह टीका है। समझदारी इसी में है कि हम बीमारी न होने के उपायों का पालन करें न कि इसमें कि बीमार होकर फिर उपचार करायें। गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के लिए भी सरकार ने विशेष अभियान चलाकर बड़ी संख्या में टीकाकरण किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रक्रियाओं और मानकों के अनुरूप वैक्सीन का परीक्षण किया गया है। पूरी तरह प्रभावी और सुरक्षित पाये जाने के बाद ही इसे लगाने की अनुमति दी गयी है। वैक्सीन को स्टार्टिंग प्वाइंट से एण्ड प्वाइंट तक कोल्ड चेन में रखा जाता है, जिससे वैक्सीन खराब नहीं होती। कोरोना संक्रमित हो चुके व्यक्ति को रिपोर्ट निगेटिव आने के 3 माह बाद टीका लगवाना चाहिए। टीका लगवाने के बाद आपके दोबारा संक्रमित होने का खतरा कम हो जाता है। इसके बाद भी यदि संक्रमण हो जाता है, तो वह जानलेवा नहीं हो पाता। दोनों वैक्सीन गहन अध्ययन के बाद निर्मित हुई है, दोनों की ही गुणवत्ता और सुरक्षा एक समान है। ऐसे में कोरोना की पहली, दूसरी लहर बीत जाने बाद अब जब तीसरी लहर की आशंका है, तो नागरिकों को अपने विवेक से निर्णय लेकर टीका लगवाकर स्वयं को और अपने प्रियजनों को सुरक्षित करने में योगदान देना होगा। जिस तरह जागरूक नागरिक वोट डालता है, वैसे ही जागरूक नागरिक टीका भी लगवा रहे हैं और लगवाना भी चाहिये। इस तरह जब हम करेंगे तो न केवल हमारा परिवार, हमारे पड़ोसी, हमारी गली, हमारा मोहल्ला/बस्ती, गाँव, कस्बा, शहर और जिला, फिर प्रदेश और देश कोरोना संक्रमण से सुरक्षित हो सकेगा।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

खबर एक नजर

नीडोमनॉमिक्स एवं स्ट्रीट स्मार्ट इंडियंस अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित कर सकते हैं: कुलपति स्टारेक्स यूनिवर्सिटी प्रो. एम.एम. गोयल

कुलपति स्टारेक्स यूनिवर्सिटी एवं संस्थापक नीडोनॉमिक्स स्कूल ऑफ थॉट प्रोफेसर डॉ. एम.एम. गोयल के साथ नीडोनॉमिक्स के सिद्धांत पर संवाददाता की विशेष बातचीत : 1 वर्तमान समय में नीडोनॉमिक्स '(आवश्यकता का अर्थशास्त्र) की क्या अवधारणा है ?

नीडोनॉमिक्स'(आवश्यकता का अर्थशास्त्र) 'भारत का विचार' के रूप में भगवद् गीता पर आधारित है, जो प्रकृति में अहिंसक, नैतिक और आध्यात्मिक है । यह लालच के लिए नहीं कहते हैं जो लालच का अर्थशास्त्र क्षेत्र में आता है।यह महात्मा गांधी के आर्थिक विचारों को काफी हद तक प्रमाणित करता है।मेरा मानना है कि भारत सहित दुनिया भर में कहीं भी आर्थिक और गैर-आर्थिक समस्याओं को हल करने के लिए नीडोनॉमिक्स 'आवश्यक और पर्याप्त है।हिंसा, आतंकवाद, शोषण, वंचना, भेदभाव, असंतोष और समाज में व्याप्त सभी प्रकार के भ्रष्टाचार सहित लालच के कारण होने वाली अधिकांश समस्याओं के लिए न कहने के लिए नीडोनॉमिक्स की आवश्यकता है। अंतहीन लालच आज दुनिया का सामना करने वाला असली खतरा है।मेरी सोच के अनुसार , एक अर्थशास्त्री जो नीडोनॉमिक्स '(आवश्यकता का अर्थशास्त्र) बोलता है और तर्कशास्त्र की दलील देता है, उसे नीडोनॉमिस्ट आवश्यकतावादी अर्थशास्त्री के रूप में जाना जाता है।2 नीडोनॉमिक्स 'के सिद्धांत को लागू करने के लिए कौन सी रणनीति अपनाई जानी चाहिए ? नीडोनॉमिक्स 'के सिद्धांत को लागू करने के लिए, मेरा मानना है कि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के 'लोगो'योगक्षेमं वहाम्यहम्' से आध्यात्मिक रूप से निर्देशित भौतिकवाद (एसजीएम) की रणनीति, भगवद गीता के अध्याय 9 के 22 नंबर 'अनन्याश्चिन्तयन्तो मां ये जनाः पर्युपासते तेषां नित्याभियुक्तानां योगक्षेमं वहाम्यहम्' से ली गई है।भारत सहित वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी एक वास्तविकता है जिसे सभी हितधारकों द्वारा एक अर्थव्यवस्था में स्वीकार किया जाना है।इस उद्देश्य हेतु ईमानदारी के साथ अनुकूल जलवायु और कार्य संस्कृति बनाने के लिए गीता आधारित बुद्धिमान शब्दों के साथ सभी अर्थशास्त्रियों द्वारा उचित निदान की आवश्यकता है।इसे समझने, विश्लेषण करने और व्याख्या करने की आवश्यकता है कि आध्यात्मिकता और भौतिकवाद एक दूसरे के पूरक हैं और विकल्प नहीं।भौतिकवाद के दुखों को कम करने के लिए, आधुनिक अर्थशास्त्र में आध्यात्मिकता का समावेश होना चाहिए, जो उपभोक्ताओं, उत्पादकों, वितरकों, व्यापारियों और सभी नीति निमार्ताओं और सुविधाभोगियों सहित आर्थिक अभिनेताओं के नैतिक व्यवहार के लिए आवश्यक और पर्याप्त है।अर्थशास्त्रियों की अर्थव्यवस्था में सभी अभिनेताओं (उपभोक्ताओं, उत्पादकों, वितरकों, व्यापारियों) के नैतिक सशक्तीकरण के प्रति अद्वितीय जिम्मेदारी है।3 नीडोनॉमिक्स '(आवश्यकता का अर्थशास्त्र) को अपनाने के लिए उपभोक्ता मनोविज्ञान की अवधारणा क्या है ? अर्थशास्त्र के नायक के रूप में एक उपभोक्ता हमेशा एक हेरोइन (वस्तुओं और सेवाओं) में रुचि रखता है और जो सभी रिश्ते को प्रदूषित करते हैं उन्हें बाजार में वास्तविक नाटक में खलनायक कहा जाता है।हर कोई उपभोक्ता है और बाजार में तर्कसंगत व्यवहार के साथ व्यवहार करने की उम्मीद की जाती है जो उपभोक्ता मनोविज्ञान के क्षेत्र में आता है।उपभोक्ता मनोविज्ञान इस बात का अध्ययन है कि लोग बाजार में (ऑनलाइन और ऑफलाइन) चीजों को क्यों और कैसे खरीदते हैं।4 वर्तमान वैश्विक गतिकी में अवधारणात्मक स्ट्रीट स्मार्ट व्यक्ति कौन है ? भौतिकवाद और उपभोक्तावाद के वर्तमान आर्थिक परिदृश्य में जरूरतमंदों के साथ सरल, नैतिक, कार्रवाई उन्मुख, उत्तरदायी और पारदर्शी सहित विशेषताओं के साथ एक व्यक्ति स्ट्रीट स्मार्ट है।आत्मनिर्भर भारत अभियान में सार्वजनिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हमें ऑनलाइन गतिविधियों के लिए डिजिटल इंडिया के तहत स्मार्ट फोन का उपयोग करने के लिए स्ट्रीट स्मार्ट बनने की आवश्यकता है।5 कोविद के वर्तमान आर्थिक संकट के समय में वैश्वीकरण के बारे में आपकी धारणा क्या है ? मेरी सोच के अनुसार वैश्वीकरण भारतीयकरण का अंतर्राष्ट्रीयकरण है जिसे मैं 1991 से बढ़ावा दे रहा हूं।भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 'अत्निम्भर भारत अभियान 'की दृष्टि को लागू करने के लिए, हमें स्थानीय के लिए मुखर पर जोर देने से बचना चाहिए और थोड़ा कूटनीतिक होना चाहिए और लोकाचार के रूप में 'ग्लोकलाइजेशन' के ज्ञान का उपयोग करना चाहिए, वसुधैव कुटुम्बकम को बढ़ावा देने हेतु विश्व स्तर पर सोचें और स्थानीय रूप से कार्य करें ।आत्मनिर्भर भारत अभियान भारतीयों के लिए एक बीमा के रूप में साबित करने के लिए, हमें नीडोनॉमिक्स '(जरूरतों का अर्थशास्त्र) को अपनाना होगा, जो प्रकृति में अहिंसक, आध्यात्मिक और नैतिक है और प्रधान मंत्री और उनके थिंक टैंक का ध्यान देने लायक मुद्दा है । हमें भारत में विपणन के एनएडब्ल्यू (आवश्यकता, सामर्थ्य और मूल्य) दृष्टिकोण की रणनीति अपनानी होगी।6 महाकाव्य गीता के बारे में आपका क्या कहना है ? भगवद गीता कल्याणकारी अर्थशास्त्र और प्रबंधन पर एक ग्रंथ है और संपूर्ण मानवता के लिए एक पवित्र-धर्मनिरपेक्ष महाकाव्य के रूप में स्वीकार किए जाने की आवश्यकता है।मेरे लिए गीता ही मेरा गुरु है जो कृष्ण का हृदय है।नीडोनॉमिक्स में महाकाव्य गीता की प्रासंगिकता है ।मेरा दृढ़ विश्वास है कि भौतिकवाद में प्रगति की दर से अध्यात्मवाद में प्रगति की दर तेज है।गीता उन सभी के लिए उपयोगी है जो अर्थव्यवस्था को जीवित करने के लिए जीवन यात्रा की खोज करने के लिए इच्छुक हैं, और जीवित रहने और नेतृत्व प्रदान करते हैं।

सीवरेज जाम और सड़क के नवीनीकरण के लिए मुख्यमंत्री प्रतिनिधि को सोंपा पत्रः डा अशोक

» (एजेंसी)

करनाल। मुख्यमंत्री प्रतिनिधि संजय बठला सेवा ही संगठन की भावना को लेकर करवा रहे है लोगों की समस्याओं का निदान उनकी इसी सेवा भावना को देखते हुए पूर्व पार्षद डा अशोक कुमार ने वार्ड 12 मे पिछले काफी दिनों से सीवरेज जाम की समस्या एंव इसी वार्ड मे बनी आजाद मार्केट की सडक की खस्ता हालत के नवीनीकरण के लिए शिकायत एवं मांगपत्र सोंप कर इन समस्याओं के निदान की मांग की। मुख्यमंत्री प्रतिनिधि संजय बठला ने इस पर तुरंत कारवाई करते हुए सम्बंधित विभागों को आगामी कारवाई हेतू भिजवा दिया है। जानकारी अनुसार वार्ड नम्बर मे बिछाई गयी सीवेज लाइन जो कि पिछले 50 वर्षों से भी अधिक समय से पुरानी होने के कारण कई स्थानों से टूटने और उसमे गंदगी के सख्त जमाव के कारण आये दिन सीवरेज जाम की स्थिति बनी रहती है। सीवरेज की गंदगी लोगों के घरों मे या सडक पर इका होने से लोग नरक जैसा जीवन व्यतीत कर रहे हैं और इसके कारण बदबू और बिमारियों का आलम बना हुआ है जिसको देखते हुए पूर्व पार्षद डा अशोक कुमार द्वारा इस समस्या के समाधान हेतु पत्र सोंपा गया। इस मौके पर बाचतीत के दौरान मुख्यमंत्री प्रतिनिधि संजय बठला ने बताया कि उनका प्रयास रहता है कि उनके पास कोई भी शिकायत पैंडिंग न रहे और उनके पास जो भी शिकायत आती है वह तुरंत सम्बंधित विभाग को कार्यवाही हेतु भेज देते हैं और इसके साथ साथ समय समय पर काम की जानकारी भी लेते हैं। इस मौके पर पूर्व पार्षद दर्शन सिंह सहगल भी मौजूद थे।

3 वर्षीय बच्चे के लिए फरिश्ता बन कर आये राहुल

» (एजेंसी)

पलवल। आपातकालीन परिस्थितियों में भी पलवल डोनर्स क्लब ज्योतिपुंज की ओर से रक्त और प्लेटलेट्स की सेवाए लगातार जारी है।क्लब के मुख्य संयोजक आर्यवीर लॉयन विकास मित्तल ने बताया कि खून की कमी के चलते थेलेसीमिया पीड़ित बच्चों, महिलाओं के डिलेवरी केस, सर्जरी जैसे केस भी प्रभावित होने लगे हैं।उन्होने बताया कि आपातकालीन परिस्थिति में एक निजी अस्पताल में भर्ती 19 वर्षीय युवक और बघोला स्थित सत्य साई अस्पताल में भर्ती 3 वर्षीय बच्चे के दिल की सर्जरी के लिए फरिश्ता बन कर आये क्लब के रक्तमित्र राहुल मलिक और राहुल गोयल ने पलवल स्थित अपना ब्लड बैंक और

लाईफलाइन चैरिटेबल ब्लड बैंक में प्लेटलेट्स दान किए। इसमें क्लब की सहसंयोजक अल्पना मित्तल, प्रमोद शर्मा, प्रिंश ढाका, देवेन्द्र, ने विशेष सहयोग किया।उन्होंने यह भी बताया कि रक्तदान जनहित व राष्ट्रहित में है। रक्तदान करने के लिए सभी स्वस्थ्य युवकों को आगे आना चाहिए। रक्तदान वक्त की जरूरत है, हम सभी को रक्तदान करना चाहिए । एक यूनिट रक्त से 3 लोगों की जिंदगी को बचाया जा सकता है।और उनकी संस्था न केवल पलवल बल्कि देश के विभिन्न राज्यों में भी आपातकालीन रक्तदान सेवाएं दे रही हैं ।लॉकडाउन के दौरान अगर किसी को रक्त की जरुरत पड़ेगी तो उनकी संस्था के सदस्य हर समय आपातकालीन रक्तदान के लिए तैयार रहेंगे।

हादसे में 1 युवक की मौत

» (एजेंसी)

बुहाना। गुरुवार की सुबह करीब 9:00 बजे मुरादपुर गांव के पास झुंझुनू दिल्ली सड़क मार्ग पर सड़क हादसा हुआ। स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि दूसरा घायल हो गया। स्कार्पियो चालक मौके से फरार हो गया जबकि दुर्घटना की सूचना पर पहुंचे लोगों ने घायल को सिंघाना अस्पताल पहुंचाया गया। घटनास्थल पर पहुंची सिंघाना पुलिस ने बताया के मुरादपुर निवासी राजकुमार व दयाराम दैनिक मजदूरी करने घर से नारनौल की तरफ निकले ही थे गांव के पास ही पीछे से लापरवाही से दौड़ती आ रही स्कॉर्पियो गाड़ी ने बाइक के टक्कर मार दी। दुर्घटना के दौरान राजकुमार पुत्र शीशराम उम्र 42 साल व दयाराम पुत्र शेर सिंह उम्र 50 साल घायल हो गए घायलों को सिंघाना अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने राजकुमार पुत्र शीशराम उमर 42 को मृत घोषित कर दिया जिन का शव मोर्चरी में रखा गया।

पचेरीकलां गांव के ट्यूबवैल की केबिल चोरी

» (एजेंसी)

बुहाना। जलदाय विभाग के कर्मचारी ने पचेरीकलां गांव के सार्वजनिक ट्यूबवैल से केबिल चोरी होने की प्राथमिकी पुलिस थाना में दर्जकराई है। पचेरीकलां पुलिस ने मामला दर्जकरके जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक कैलाशचंद कर रहे है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पचेरीकलां गांव के बोहरा के मौहल्ले के पास टयूबवैल खराब होने पर उसकी मोटर, पाइप एवं केबिल निकाले गए थे। केबिल एवं २१ पाइप टयूबवैल के पास रखे गए थे। अज्ञात चोर मौका देखकर टयूबवैल के पास रखी गईतीन सौ फुट केबिल चोरी कर ले गया। पचेरीकलां गांव में जलदाय विभाग में कार्यरत सिंघाना थाना के शाहपुर गांव निवासी सज्जन सिंह ने चोरी की रिपोर्टदर्जकराईहै। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रूडसेट की जिला स्तरीय परामर्श समिति की 125वीं बैठक आयोजित, उपायुक्त ने की अध्यक्षता

» (एजेंसी)

गुरूग्राम।गुरूग्राम के उपायुक्त डा यश गर्ग ने कहा कि रूडसेट संस्थान अपने यहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों का बाद में भी फॉलो अप कर उनका आय के साधन जुटाने में उनका सहयोग करें। संस्थान ऐसे बेरोजगारों युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनका क्रेडिट लिंकेज करवाते हुए काम शुरू करवाने में उनकी मदद करें। वे आज लघु सचिवालय में ग्रामीण विकास एवं स्वः रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (रूडसेट) की जिला स्तरीय रूडसेटी परामर्श समिति की 125वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाए। इसके लिए जरूरी है कि युवाओं के लिए मार्किट के डिमांड के अनुरूप कोर्सिज तैयार करवाए जाएं और उन कोर्सिज को इस प्रकार से डिजाइन करवाया जाए ताकि उन्हें बाद में आय के साधन जुटाने में परेशानी ना हो।उन्होंने रूडसैट संस्थान के अधिकारियों से कहा कि केवल संस्थान प्रशिक्षण करवाने तक सीमित ना रहे बल्कि बाद में भी प्रशिक्षार्णियों का आय के साधन जुटाने के लिए उचित मार्गदर्शन करें और बैंक से ऋण आदि दिलवाने में उनकी मदद करें। इसके अलावा, रूडसैट संस्थान अपने यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षणार्थियों का रिकॉर्ड रखें और उनसे समय समय पर काम शुरू करने में आ रही समस्याओं को लेकर फीडबैक लेते रहें ताकि उनकी समस्या का समय रहते समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि हमारा ध्येय केवल प्रशिक्षण देने तक ही सीमित नही रहना चाहिए बल्कि उन्हें केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना चाहिए ताकि स्वरोजगार स्थापित करने में व्यक्ति को मदद मिल सके।उपायुक्त डा. यश गर्ग ने रूडसैट के पदाधिकारियों से कहा कि गुरूग्राम एक महत्वपूर्ण जिला है जहां मत्स्य पालन, स्वास्थ्य सेवाओं व हॉस्पीटेलिटी सहित अन्य क्षेत्रों का काफी स्कोप है जिनकी मार्किट में काफी डिमांड है। ऐसे में जरूरी है कि बेरोजगारों को इससे संबंधित प्रशिक्षण दिया जाए। उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित बैंककर्मियों से कहा कि प्रशिक्षण उपरांत रोजगार के साधन जुटाने में बैंको की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है इसलिए बैंकों को अधिक से अधिक प्रशिक्षार्णियों को स्पोंसर करते हुए उनकी मदद करनी चाहिए। बैठक में उपस्थित जिला परिषद् की सीईओ अन्नु श्योकंद ने कहा कि जिला के जिन गांवों में रूडसैट संस्थान की पहुंच अपेक्षाकृत कम है, उनके लिए संस्थान अलग से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करवाएं ताकि लोगों को इन कोर्सिज के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके और वे इनका लाभ उठा सकें।इसके अलावा, रूडसैट से प्रशिक्षण प्राप्त करने उपरांत जो लोग अच्छा काम कर रहे हैं उन्हें भी जागरूकता कार्यक्रमों से जोड़ा जाए ताकि वे स्वरोजगार के लिए प्रेरित हो सके।आज आयोजित बैठक में सफल उद्यमी राजेन्द्र कौर को भी आमंत्रित किया गया था जिन्होंने अपने स्वयं द्वारा तैयार किए गए प्रौडक्ट्स बैठक में दिखाए। उपायुक्त ने महिला उद्यमी की हौंसला अफजाई करते हुए उन्हें भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। बैठक में रूडसैट संस्थान के निदेशक संजय धींगड़ा ने जून-2021 में खत्म हुई तिमाही की गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया। आज की बैठक में रूडसैट संस्थान के निदेशक संजय धींगड़ा ,केनरा बैंक की रिजनल हैड आराध्या त्रिवेदी, आरसेटी के स्टेट डायरेक्टर पी के गंभीर, एलडीएम प्रहलाद रॉय गोदारा, नाबार्ड से डीडीएम विनय कुमार त्रिपाठी, चीफ मैनेजर रूबी वोहरा, डीपीएम दिप्ती ढिंढसा सहित रोजगार अधिकारी मनीता यादव उपस्थित थे।

रूडसैट से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए क्रेडिट लिंकेज में करें मदद

» (एजेंसी)

गुरूग्राम। गुरूग्राम के उपायुक्त डा यश गर्ग ने कहा कि रूडसेट संस्थान अपने यहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों का बाद में भी फॉलो अप कर उनका आय के साधन जुटाने में उनका सहयोग करें। संस्थान ऐसे बेरोजगारों युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उनका क्रेडिट लिंकेज करवाते हुए काम शुरू करवाने में उनकी मदद करें। वे आज लघु सचिवालय में ग्रामीण विकास एवं स्वः रोजगार प्रशिक्षण संस्थान (रूडसेट) की जिला स्तरीय रूडसेटी परामर्श समिति की 125वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाए। इसके लिए जरूरी है कि युवाओं के लिए मार्किट के डिमांड के अनुरूप कोर्सिज तैयार करवाए जाएं और उन कोर्सिज को इस प्रकार से डिजाइन करवाया जाए ताकि उन्हें बाद में आय के साधन जुटाने में परेशानी ना हो। उन्होंने रूडसैट संस्थान के अधिकारियों से कहा कि केवल संस्थान प्रशिक्षण करवाने तक सीमित ना रहे बल्कि बाद में भी प्रशिक्षार्णियों का आय के साधन जुटाने के लिए

उचित मार्गदर्शन करें और बैंक से ऋण आदि दिलवाने में उनकी मदद करें। इसके अलावा, रूडसैट संस्थान अपने यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षणार्थियों का रिकॉर्ड रखें और उनसे समय समय पर काम शुरू करने में आ रही समस्याओं को लेकर फीडबैक लेते रहें ताकि उनकी समस्या का समय रहते समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि हमारा ध्येय केवल प्रशिक्षण देने तक ही सीमित नही रहना चाहिए बल्कि उन्हें केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना चाहिए ताकि स्वरोजगार स्थापित करने में व्यक्ति को मदद मिल सके।उपायुक्त डा. यश गर्ग ने रूडसैट के पदाधिकारियों से कहा कि गुरूग्राम एक महत्वपूर्ण जिला है जहां मत्स्य पालन, स्वास्थ्य सेवाओं व हॉस्पीटेलिटी सहित अन्य क्षेत्रों का काफी स्कोप है जिनकी मार्किट में काफी डिमांड है। ऐसे में जरूरी है कि बेरोजगारों को इससे संबंधित प्रशिक्षण दिया जाए। उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित बैंककर्मियों से कहा कि प्रशिक्षण उपरांत रोजगार के साधन जुटाने में बैंको की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है इसलिए बैंकों को अधिक से अधिक प्रशिक्षार्णियों को स्पोंसर करते हुए उनकी मदद करनी चाहिए। बैठक में उपस्थित जिला परिषद् की सीईओ अन्नु श्योकंद ने कहा कि जिला के जिन गांवों में रूडसैट संस्थान की पहुंच अपेक्षाकृत कम है, उनके लिए संस्थान अलग से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करवाएं ताकि लोगों को इन कोर्सिज के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके और वे इनका लाभ उठा सकें। इसके अलावा, रूडसैट से प्रशिक्षण प्राप्त करने उपरांत जो लोग अच्छा काम कर रहे हैं उन्हें भी जागरूकता कार्यक्रमों से जोड़ा जाए ताकि वे स्वरोजगार के लिए प्रेरित हो सके। आज आयोजित बैठक में सफल उद्यमी राजेन्द्र कौर को भी आमंत्रित किया गया था जिन्होंने अपने स्वयं द्वारा तैयार किए गए प्रौडक्ट्स बैठक में दिखाए। उपायुक्त ने महिला उद्यमी की हौंसला अफजाई करते हुए उन्हें भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। बैठक में रूडसैट संस्थान के निदेशक संजय धींगड़ा ने जून-2021 में खत्म हुई तिमाही की गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया। आज की बैठक में रूडसैट संस्थान के निदेशक संजय धींगड़ा ,केनरा बैंक की रिजनल हैड आराध्या त्रिवेदी, आरसेटी के स्टेट डायरेक्टर पी के गंभीर, एलडीएम प्रहलाद रॉय गोदारा, नाबार्ड से डीडीएम विनय कुमार त्रिपाठी, चीफ मैनेजर रूबी वोहरा, डीपीएम दिप्ती ढिंढसा सहित रोजगार अधिकारी मनीता यादव उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी वर्करों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित

» (एजेंसी)

सतनाली। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी के तहत महेंद्रगढ़ जिले में 24 से 28 अगस्त व 31 अगस्त से 4 सितंबर तक प्ले स्कूल का प्रशिक्षण सभी आंगनवाड़ी वर्कर्स को दिया जा रहा है।जिसका उद्देश्य खे-खेल में मनोरंजन के तरीको से बच्चों का सर्वांगीण विकास करना हैं।इस प्रशिक्षण के द्वारा बताया जा रहा है कि पूर्व प्राथमिक शिक्षा क्यों जरूरी है उसमें माताओं की क्या भूमिका होनी चाहिए।उसमें वर्करों को विभिन्न गतिविधियों के लिए सामग्री कैसे व क्या-क्या तैयारियां करनी चाहिए बताया गया। इस प्रशिक्षण के द्वारा आंगनबाड़ी को प्ले स्कूल की तर्ज पर लाने का बेडा

उठाया गया है। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास अधिकारी सरला यादव, सुपरवाईजर अनिता, सिवानी, सुमन, सुनीता, सुमन बाई, राजबाला, दर्शना के अलावा आंगनवाडी वर्कर मौजूद रही।

राष्ट्र सेवा के जज्बे के साथ एकता व अनुशासन का आधार है एनसीसीः सूबेदार मेजर जगमाल सिंह

डालनवास स्थित नालंदा स्कूल में एनसीसी कैडेट भर्ती परीक्षा का आयोजन

» (एजेंसी)

सतनाली। खंड के गांव डालनवास स्थित नालंदा विद्या निकेतन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी नारनौल यूनिट द्वारा एनसीसी कैडेट भर्ती परीक्षा का आयोजन किया गया। इस दौरान नारनौल यूनिट से सूबेदार मेजर जगमाल सिंह, सूबेदार वंदन सिंह, बीएचएम धर्मेंद्र सिंह व हवलदार सुरेश कुमार, प्रमोद सिंह की टीम ने भर्ती प्रक्रिया शुरू की। इससे पहले विद्यार्थियों को एनसीसी के महत्व, ध्येय के बारे में विस्तार से बताया गया।विद्यालय में आयोजित एनसीसी कैडेट भर्ती प्रक्रिया को

नालंदा स्कूल में एनसीसी कैडेट भर्ती परीक्षा के दौरान उपस्थित अधिकारी।

लेकर विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला तथा परीक्षा में 85 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसमें से 10 विद्यार्थियों को एल्बो बैंड व नी टचिंग के कारण बाहर कर दिया गया तथा शेष 75 विद्यार्थियों की ट्रायल दौड़ का आयोजन करवाया गया। ट्रायल दौड़ में 41 विद्यार्थी असफल रहे। सफल विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा का आयोजन करवाया गया। इस मौके पर सूबेदार मेजर जगमाल सिंह ने कहा कि एनसीसी एकता व अनुशासन का आधार है तो राष्ट्र व समाजसेवा की भावना के साथ व्यवस्थित जीवन जीना सिखाती है। उन्होंने बताया कि एनसीसी विद्यार्थी में परिश्रम, अनुशासन, सहनशीलता, देशप्रेम की भावना का संचार करती है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ किया गया है जिसका परिणाम जल्द ही घोषित किया जाएगा। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक विक्रम सिंह लांबा व प्राचार्य जय सिंह फौगाट ने बताया कि विद्यालय में पिछले 8 वर्ष से एनसीसी यूनिट संचालित की जा रही है जिसमें प्रतिवर्ष 25 कैडेट्स ए ग्रेड सर्टिफिकेट से पास आउट होते है।

मानव सेवा संघ में मनाया गया रक्षासूत्र सप्ताह, यैस.वी.कैन के सदस्यों को रक्षासूत्र बांधकर किया सम्मानित

» (एजेंसी)

करनाल। मानव सेवा संघ में रक्षासूत्र सप्ताह के अंतर्गत यैस. वी.कैन एवं बीजेपी के महिला मोर्चा के संयुक्त कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष मिनाक्षी भिंडर, उपाध्यक्ष प्रियंका काठपाल, कृष्णा गुप्ता, महामंत्री डॉ नीरू सैनी, अर्बन मंडल अध्यक्ष अल्का चौधरी, रश्मि चौधरी और सरोज पराशर ने चेयरमेन संजय बतरा, संरक्षक एस एम कुमार, डा. एस.के.शर्मा, लाजपत राय चूचरा, वाइस चेयरमेन

- कोविड काल में जरूरतमंद लोगों की सेवा करने पर मिनाक्षी भिंडर ने किया समाजसेवियों को सम्मानित

सावी चौधरी, सचिव सिमरन बतरा, महिला प्रमुख अनुराधा कांबोज, अंजू शर्मा, मीनाक्षी गाँधी, स्वर्णलता काठपाल, सुमन जालवी, सुशीला गोयल, शैलजा गुप्ता, डॉ मेघा ग्रोवर, राजेश ग्रोवर और मनमोहन जालवी

को तिलक लगाकर और रक्षा सूत्र बाँध कर आशीष दिया और भारत माता का चित्र भेंट करते हुए कहा कि कोविड काल में यैस वी कैन की टीम ने संजय बतरा के नेतृत्व में जरूरतमंद लोगों को राशन उपलब्ध करवाने, मास्क, सैनिटाइजर बांटने, पास बनवाने, पौधा रोपण करने, वैक्सीन टीकाकरण करवाने, कोरोना योद्धा को सम्मानित करने और लोगों को जागरूक करने में बढ़चढ़ कर योगदान दिया है, इसलिए आज उनकी भाजपा महिला मोर्चा की टीम अपने दायित्व का निर्वाह करते हुए संजय बतरा और यैस वी कैन की पूरी टीम को सम्मानित कर गौरव महसूस कर रही है। इसके पश्चात चेयरमैन संजय बतरा ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि यैस वी कैन के लिए भी यह गर्व कि बात है कि सभी सदस्यों द्वारा निःस्वार्थभाव से सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने के कारण हरियाणा डाक्यूमैंटरी द्वारा भी यैस.वी.कैन के सदस्यों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया और आज भाजपा महिला मोर्चा द्वारा सम्मानित किया गया।इसके पश्चात सभी के द्वारा कर्ण पार्क में अमलतास, गुलमोहर और सौमैया के 5 पौधे भी रोपित किए गए। कार्यक्रम में मंच का संचालन स्वर्ण लता काठपाल द्वारा किए गया और सी.जी.सी के चेयरमैन लाजपत राय चूचरा विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में चेयरमैन संजय बतरा ने आए हुए सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह देकर आभार व्यक्त किया।

डॉ.भीमराव आम्बेडकर विवि के दीक्षांत में बोले राष्ट्रपति कोविंद

शिक्षा के क्षेत्र में उठाए गए कदम सराहनीय

लखनऊ, 26 अगस्त **(एजेंसी)**। उत्तर प्रदेश की अपनी यात्रा के दौरान यहां शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे विशेष प्रयासों के बारे में और अधिक जानने का मौका मिला। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप यूपी में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जो कदम उठाए जा रहे हैं। वह बहुत ही सराहनीय है। यह बात राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने डॉ.भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय के 9वें दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए कहीं।

इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शिक्षा समेत प्रदेश की जनता के हित में उठाए गए कार्यो की जमकर तारीफ की। कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास का शिलान्यास भी किया। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों से प्रेरणा प्राप्त करते हुए आधुनिक विज्ञान और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने का हमारा लक्ष्य तभी सिद्ध होगा जब सभी छात्र और शिक्षक पूरी निष्ठा के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि अपनी यूपी यात्रा के दौरान मुझे यूपी में शिक्षा के क्षेत्र में उठाए जा रहे प्रयासों को करीब से जानने का मौका मिला। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप यहां बेहतर काम किया जा रहा है। सामाजिक न्याय और व्यक्तिगत उन्नति के लिए शिक्षा ही सबसे प्रभावी माध्यम है। शिक्षा के क्षेत्र में योगी सरकार ने अलख जगाई है। उसकी जितनी भी सराहाना की जाए वह कम है।

इसलिए मैं यहां की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत उनके अधिकारियों और कर्मचारियों की भूरी भूरी प्रशंसा करता हूं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा आज सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास का शिलान्यास करके मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कहा सावित्रीबाई फुले ने 175 वर्ष पहले बेटियों की शिक्षा के लिए जो क्रांतिकारी कदम उठाए। वह आज भी प्रासांगिक है।

खासकर तत्कालीन समाज में महिलाओं की स्थिति के विषय में अध्ययन करने पर पता चलता है कि आज हमारी बेटियां समाज और देश का गौरव पूरे विश्व में बढ़ा रही हैं।

- योगी सरकार के शिक्षा और विकास के क्षेत्र में किए गए कार्यो की जमकर तारीफ की
- राष्ट्रपति ने कहा, अवसर मिलने पर बेटों को पीछे छोड़ रही है बेटियां

प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा रही हैं हमारी बेटियां : कोविंद

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक में देश की बेटियों के प्रदर्शन से संपूर्ण देश में गर्व की भावना का संचार हुआ है। प्रत्येक क्षेत्र में हमारी बेटियों ने अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज करा रही है। उन्होंने कहा समान अवसर मिलने पर हमारी बेटियां बेटों से भी आगे निकल जाती हैं। दीक्षांत समारोह में पदक पाने वाले होनहारों में बेटियों की संख्या बेटो से अधिक है। विजेताओं में भी बेटियों की संख्या अधिक है इस परिवर्तन को एक स्वस्थ समाज और उन्नत राज्य राष्ट्र की दिशा में बढ़ते कदम के रूप में देखा जाना चाहिए। यही बाबा साहब का मूल सपना था जो सच होता दिखाई दे रहा है।

देश में दो दिनों से कोरोना महामारी के मामलों में वृद्धि

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। देश में दो दिनों से कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के मामलों वृद्धि हो रही है। पिछले 24 घंटे में कोरोना के 46,164 नए मामले सामने आए है वहीं इस दौरान 607 लोगों की मौत हुई है। देश में बुधवार को 80 लाख 40 हजार 407 लोगों को कोरोना के टीके लगाए गए तथा अब तक 60 करोड़ 38 लाख 46 हजार 475 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से गुरुवार की सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना के 46,607 नए मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर तीन करोड़ 25 लाख 58 हजार 530 हो गया है। इस दौरान 34 हजार 159 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की कुल संख्या बढ़कर तीन करोड़ 17 लाख 88 हजार 440 हो गई है। इसी अवधि में सक्रिय मामले 11,398 बढ़कर तीन लाख 33 हजार 725 पहुंच गए हैं।

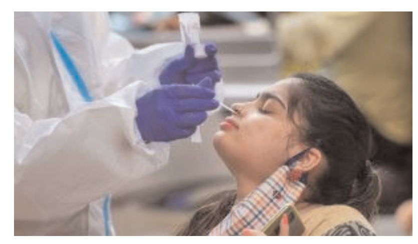

- पिछले 24 घंटों में कोरोना के 46,164 नए मामले आए सामने
- रिकवरी दर घट कर 97.63 व मृत्यु दर 1.34 फीसदी

इस दौरान 607 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 4,36,365 पहुंच गया है। देश में सक्रिय मामलों की दर फिर से बढ़ कर 1.03 फीसदी पहुंच गई जबकि रिकवरी दर घट कर 97.63 फीसदी और मृत्यु दर 1.34 फीसदी है।

राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों को 58.76 करोड़ से अधिक डोज दी

नई दिल्ली। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों के अब तक 58.76 करोड़ से अधिक कोविड-19 टीके की डोज उपलब्ध कराई गई हैं। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा,भारत सरकार और प्रत्यक्ष खरीद के माध्यम से अब तक राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को 58,76,56,410 टीके की डोज प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि 1.03 करोड़ से अधिक (1,03,39,970) डोज अभी और दी जानी हैं। इसके अलावा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास अभी कोरोना वायरस की 3.77 करोड़ से अधिक यानी 3,77,09,291 डोज राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास उपलब्ध हैं।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान के बाड़मेर में चार की तीव्रता का भूकंप

बाड़मेर। राजस्थान में बाड़मेर जिले में गुरुवार को करीब चार की तीव्रता का भूकंप के झटके महसूस किए गए। सूत्रों ने बताया कि पूर्वान्ह करीब सवा 11 अजे अचानक कंपन होने लगा तो लोगों में तफरी मच गई। भूकंप की तीव्रता रिएक्टर पैमाने पर चार दर्ज की गई, जबकि भूकंप की गहराई जमीन के नीचे दस किलोमीटर मापी गई। भूकंप के झटके जिले के धोरीमन्ना सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में महसूस किए गए हैं। धोरीमन्ना कस्बे में लोग अपने रोजमर्रा के काम में लगे हुए थे। इस दौरान सुबह 11 बजकर 15 मिनट हल्के भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस पर घरों में बैठे लोग बाहर निकल आए। किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।

राजावेलु पुदुचेरी विस के उपाध्यक्ष निर्विरोध चुने गए

पुदुचेरी। केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी में नेट्टापक्कम निर्वाचन क्षेत्र से एन आर कांग्रेस के विधायक पी राजावेलु पुदुचेरी को गुरुवार को विधानसभा का उपाध्यक्ष निर्विरोध चुन लिया गया। विधानसभा उपाध्यक्ष के लिए बुधवार 12 बजे तक राजावेलु केवल एकमात्र उम्मीदवार थे जिन्होंने इस पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था। इसके बाद, उपराज्यपाल के सदन से जाने के बाद विधानसभा अध्यक्ष आर सेल्वम ने सदन में राजावेलु के उपाध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री एन.रंगासामी और विपक्ष के नेता आर शिवा ने उन्हें उपाध्यक्ष के आसन तक ले गए। राजावेलु को उपाध्यक्ष चुने जाने पर कई अन्य सदस्यों ने उन्हें बधाई दी।

तेदेपा कार्यकर्ताओं को किया जा रहा प्रताड़ित : लोकेश

विजयवाड़ा। तेलुगू देशम पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव नारा लोकेश ने कुरनूल जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) से कानून का शासन बनाए रखने और कल्लूर मंडल के मरकापुरम गांव के तेदेपा कार्यकर्ता डी रामंजनेयुलु को परेशान करने के लिए 'कई झूठे मामले' दर्ज करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया। लोकेश ने एसपी को भेजे गए एक पत्र में कहा कि रामंजनेयुलु के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज करने के लिए आईपीसी की धारा 307 का भी दुरुपयोग किया गया है, क्योंकि वह सरकार की गैर कानूनी कार्रवाइयों का विरोध करने के लिए तेदेपा की गतिविधियों में सक्रिय भाग ले रहे थे। यह एक घटना यह कहने के लिए काफी है कि उच्चतम न्यायालय ने इन दिनों पुलिस थानों में मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन के बारे में कितनी सही टिप्पणी की। लोकेश ने कहा कि कुरनूल चतुर्थ टाउन थाने में एफआईआर 111/2021 के तहत तेदेपा कैडर के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए और के नागलपुरम थाना में 56/2021, 120/2021 और 127/2021 के तहत तीन एफआईआर दर्ज की गईं।

बिहार में जदयू-भाजपा फिर आए आमने-सामने

पटना, 26 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार भले ही चल रही हो लेकिन दो घटक दल जदयू और भाजपा एक बार फिर आमने-सामने आ गए हैं। इस बार जदयू के विधायक गोपाल मंडल के उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद के खिलाफ दिए गए बयान के बाद भाजपा के भड़क गई है। भाजपा अब विधायक पर कार्रवाई करने तक की मांग कर रही है। पिछले दिनों जदयू के विधायक गोपाल मंडल भाजपा के नेता और उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद पर आरोप लगाया कि वे भागलपुर जाकर पैसों की वसूली करते हैं। मंडल ने यह भी कहा कि वे यहां विरोधियों से जरूर मिलते हैं, लेकिन अपने घटक दलों के नेताओं से नहीं मिलते हैं। जदयू के विधायक के इस बयान के बाद भाजपा के नेताओं ने मंडल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। मंडल पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल और मंत्री सम्राट चौधरी ने कार्रवाई की मांग तो मंडल ने एकबार फिर पलटवार करते हुए कहा कि ये लोग कौन होते हैं, हम पर कार्रवाई करने वाले। उन्होंने सम्राट चौधरी को दलबदलू तक कह दिया। वैसे मंडल के इन बयानों से भाजपा असहज है। इसके बाद भाजपा के नेता और पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन सामने आए और उन्होंने मंडल पर कार्रवाई की मांग कर डाली।

- जदयू विधायक के बयान के बाद भड़की भाजपा
- कार्रवाई की उठने लगी मांग

जदयू भी अपने विधायक पर कार्रवाई का बना रही मन

इधर, भाजपा की ओर से लगातार हो रही कार्रवाई की मांग के बाद जदयू भी अपने विधायक पर कार्रवाई का मन बना रही है। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कहा कि विधायक के बयान को पार्टी ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि जदयू और भाजपा के संबंध बेहद मजबूत हैं। राजग में कहीं कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि विधायक से स्पष्टीकरण मांगा जाएगा, उसके बाद पार्टी आगे की कार्रवाई करेगी।

भाजपा की खोखली धमकी से नहीं डरते : मलिक

मुंबई, 26 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्य अल्पसंख्यक मंत्री नवाब मलिक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के सत्ता के दुरुपयोग के बावजूद महाराष्ट्र में कोई भी नेता भाजपा की खोखली धमकियों से नहीं डरता। मलिक ने अपने बयान में भाजपा द्वारा महाविकास अघाड़ी सरकार के मंत्रियों और नेताओं को धमकी देने पर प्रतिक्तिया व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए फर्जी मामलों में दूसरों को गिरफ्तार करवाना या फिर सत्ता का दुरुपयोग कर उन्हें जेल भिजवाना कोई नई बात नहीं है। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल, उप मुख्यमंत्री अजीत पवार, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल की मौजूदगी में साटना और हिंगोली से विभिन्न दलों के लोग गुरुवार को मुंबई में राकांपा में शामिल हो गए। पार्टी की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि हिंगोली के विधायक राजू नवघरे और साटना के पूर्व विधायक संजय चव्हाण की पहल पर चंद्रकांत दलवी, अशोकराव दलवी, प्रह्लाद इंगोले, नानाराव जामगे, दिलीप पाटिल, मनोज सोनवणे, श्रीपद काय्या, नितिन सोनावणे, जीवराज चौधरी, आनंद सोनवणे और अन्य लोग पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष जयप्रकाश दांडेगांवकर और युवा कार्यकारी अध्यक्ष सूरज चव्हाण उपस्थित थे।

कर्नाटक महिला आयोग प्रमुख ने सामूहिक दुष्कर्म की शिकायत कराई दर्ज

बेंगलुरु, 26 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक महिला आयोग की अध्यक्ष प्रमीला नायडू ने गुरुवार को स्थानीय पुलिस में शिकायत दर्ज कर मैसूर में मंगलवार शाम एक कॉलेज की छात्रा के साथ कथित तौर पर हुए सामूहिक दुष्कर्म करने वालों को कड़ी सजा देने की मांग की। नायडू ने कहा कि आयोग ने घटना पर संज्ञान लिया है और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत दर्ज करने के बाद, वह घटनास्थल पर पहुंची और गृह मंत्रालय को विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए पुलिस से जानकारियां हासिल की। राज्य महिला आयोग अध्यक्ष ने कहा कि पुलिस को जल्द आरोपी को गिरफ्तार करने का भरोसा है। हालांकि, वह दुष्कर्म पीड़िता से नहीं मिल सकी क्योंकि वह सदमे में है। उन्होंने कहा,डॉक्टरों ने भी मुझे उससे नहीं मिलने की सलाह दी। नायडू ने कहा कि महिला आयोग उसके सभी मेडिकल बिलों का भुगतान करेगा और उसे परामर्श प्रदान करेगा। उन्होंने कहा, मैंने उन्हें आवश्यक कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए जिला कानूनी प्रकोष्ठ से बात की है।

दुष्कर्म के आरोपियों को की कड़ी सजा देने की मांग

राज्य महिला आयोग अध्यक्ष ने कहा कि यह घटना 24 अगस्त की शाम की है जब पीड़िता और उसका दोस्त मोटरसाइकिल पर कहीं रहे थे तभी रास्ते में बदमाशों उन्हें घेर लिया। आरोपी उनसे रुपए मांगने लगे, लेकिन पीड़ितों ने उन्हें देने से इनकार कर दिया। पीड़ितों ने पैसे देने से मना करने से नाराज आरोपियों ने पीड़िता के पुरुष मित्र की पिटाई कर दी।

बोम्मई ने आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने के दिए निर्देश

घटना के सार्वजनिक होने के तुरंत बाद, मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने पुलिस को घटना को गंभीरता से लेने और जल्द से जल्द आरोपी को गिरफ्तार करने के निर्देश जारी किए। मैसूरु के पुलिस आयुक्त डॉ.चंद्रगुप्त और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रताप रेड्डी ने आज सुबह घटना स्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

आगरा जहरीली शराब कांड

पुलिस व आबकारी विभाग के 13 कर्मचारी निलंबित

लखनऊ, 26 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने आगरा जिले में जहरीली शराब कांड को गंभीरता से आबकारी विभाग के क्षेत्रीय निरीक्षक समेत तीन बीट आरक्षितयों को निलंबित कर दिया जबकि तीन थाना प्रभारियों समेत नौ पुलिसकर्मियों को पहले ही निलंबित कर दिया गया है।

राज्य के आबकारी विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय आर. भूसरेड्डी ने यहां यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों में आगरा जिले के फतेहाबाद ताजगंज, समशाद क्षेत्र के कई गांव में जहरीली शराब से हुई लोगों की मृत्यु के सम्बन्ध में प्रशासन, पुलिस एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गई जांच में 10 व्यक्तियों की अवैध शराब के सेवन से मौत होने की पुष्टि हुई है। इस बीच गैर सरकारी सूत्रों के अनुसार मृतकों की संख्या 13 बताई है।

एसएसएम शिक्षकों को नियमित नहीं करने पर त्रिपुरा सरकार पर अवमानना का आरोप

अगरतला, 26 अगस्त (एजेंसियां)। त्रिपुरा में सर्वशिक्षा अभियान से जुड़े शिक्षकों ने राज्य सरकार पर नियमितीकरण को लेकर उच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना किए जाने का आरोप लगाया है। एसएमएस शिक्षकों का कहना है कि उच्च न्यायालय गत फरवरी में इस वर्ग के पिछले 15 वर्षों से कार्यरत 5437 शिक्षकों को छह माह में नियमित करने के निर्देश दिए थे और यह अवधि भी 22 अगस्त को समाप्त हो गई है।

पीड़ित शिक्षकों ने राज्य सरकार के खिलाफ अवमानना याचिका दायर करने की योजना बनाई है, लेकिन मुकदमेबाजी में आने वाली लागत उनके राह में रोड़ा बन रही है। उन्होंने अब अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए एक सादे कागज में त्रिपुरा के मुख्य न्यायाधीश से अपील करने का फैसला किया है और जिसमें वे न्यायालय से उचित कार्रवाई की मांग करेंगे।

पश्चिम चंपारण में गंडक नदी में नौका पलटी

बगहा, 26 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में पश्चिम चंपारण जिले के बगहा नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार को गंडक नदी में नौका पलट जाने से 30 लोगों के डूबने की आशंका है। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि बगहा नगर के दीनदयाल नगर मुहल्ला के करीब 35 लोग एक नौका पर सवार होकर दीनदयाल नगर गंडक घाट से उस पार खेती-बाड़ी करने और मवेशियों का चारा लाने जा रहे थे। बारिश और गंडक नदी में तेज बहाव के कारण संतुलन बिगड़ जाने से नाव पर सवार लोगों में भगदड़ मच गई और नाव बीच गंडक नदी में पलट गई।

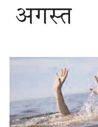

अमेरिका, भारत, जापान व ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाओं के बीच मालाबार अभ्यास

अमेरिकी नौसेना कर रही मालाबार अभ्यास की मेजबानी

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाओं के साथ चार दिन के मालाबार अभ्यास में हिस्सा ले रही है। इस वर्ष मालाबार अभ्यास की मेजबानी अमेरिकी नौसेना कर रही है और यह आज से शुरू होकर 29 अगस्त तक पश्चिमी प्रशांत महासागर में होगा। मालाबार अभ्यास की शुरुआत 1992 में अमेरिका और भारतीय नौसेना के बीच हुई थी। वर्ष 2015 में जापान भी इसमें स्थाई सदस्य के रूप में शामिल हुआ और वर्ष 2020 में ऑस्ट्रेलियाई नौसेना को भी इसका हिस्सा बनाया गया। मालाबार अभ्यास के इस वर्ष 25 साल पूरे हो रहे हैं इसलिए इसे काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

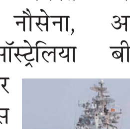

कोविड प्रोटोकॉल का किया जाएगा पालन

अभ्यास के दौरान कोविड प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन किया जाएगा। अभ्यास का उद्देश्य चारों नौसेनाओं के बीच सामंजस्य का आदान प्रदान करना है। यह अभ्यास खुले, मुक्त और समावेशी हिंद महासागर के प्रति चारों देशों के साझा विजन का भी उदाहरण है।

परेशानी *कश्मीर में पिता का किया बच्चे भुगत रहे लम्हों की खता*

आतंकी गतिविधियों से संबंध रखने वालों के बच्चों को ब्लैक लिस्ट में डाला

जम्मू,26 अगस्त (एजेंसी)। करीब एक लाख से अधिक कश्मीरियों पर वह कहावत पूरी तरह से चरितार्थ हो रही है जिसमें कहा जाता है कि लम्हें अगर खता करते हैं तो सजा सदियों को मिलती है। असल में पिछले तीन सालों के अरसे में एक लाख से अधिक कश्मीरी नागरिकों को रीजनल पासपोर्ट आफिस ने पासपोर्ट जारी करने से इसलिए इंकार कर दिया।

क्योंकि वे किसी न किसी रूप में आतंकियों या उनके सहयोगियों के रिश्तेदार रहे हैं। इन सभी को ब्लैक लिस्ट में डाला गया है।

जिन कश्मीरियों को पासपोर्ट जारी करने से इंकार किया गया है उनमें से अधिकतर छात्र हैं जो या तो विदेशों में पढ़ाई करने के लिए जाना चाहते हैं या फिर विदेशी स्कूलों-कालेजों या प्रोफेशनल विश्वविद्यालयों से स्कालरशिप पाकर विदेश जाना चाहते थे। उसके बाद दूसरे नम्बर पर बिजनेसमैन आते हैं जिन्हें व्यापार के लिए अन्य देशों में जाना था।

इंटरनेशनल लॉ की धारा-12 के तहत घूमने फिरने का दिया गया अधिकार कश्मीर की विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां इन लोगों से इसलिए छीन रही हैं क्योंकि वे तो नहीं बल्कि उनके सगे संबधी सीधे या अप्रत्यक्ष तौर पर आतंकी गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। ऐसे मामलों में पासपोर्ट के लिए आवेदन करने वालों का कहना था कि आखिर हमारा क्या कसूर है अगर हमारा कोई रिश्तेदार या परिवार का सदस्य आतंकी था या फिर आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा था। कुछ अरसा पहले की सबसे बड़ी घटना में पासपोर्ट आफिस ने अलगाववादी नेता शब्बीर शाह की बेटी समां शब्बीर शाह को पासपोर्ट देने से इंकार कर दिया था। वह लंदन में एलएलबी की पढ़ाई करना चाहती है।

- पिछले तीन सालों के अरसे में एक लाख से अधिक कश्मीरी नागरिकों को पासपोर्ट जारी करने से किया इंकार

इसी तरह से पाकिस्तान में रह रहे आतंकी नेता मुश्ताक जरगर की बेटी को पासपोर्ट इस तर्क के साथ नहीं दिया गया था कि उसका बाप आतंकी है। हालांकि पिछले कुछ साल पहले ऐसे ही कई मामलों में तत्कालीन मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने दखलंदाजी करते हुए कुछ उन कश्मीरियों को पासपोर्ट दिलवाने में सहायता की थी जिनका कोई न कोई रिश्तेदार किसी न किसी तरह से आतंकवाद से जुड़ा हुआ था। पर पम्पोर का साकिब इतना खुशकिस्मत नहीं था जिसके बाप के आतंकी होने की सजा उसे भुगतनी पड़ी थी।

रुबीना दिलैक

ने किया खुलासा, पति अभिनव शुक्ला को लेकर कभी बहुत इनसिक्योर फील करती थी

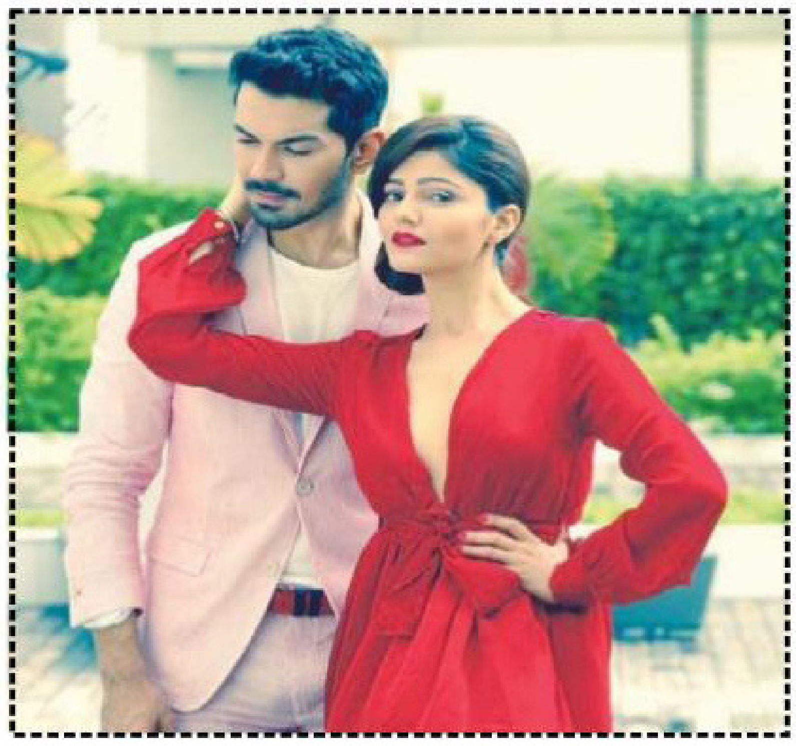

टेलीविजन इंडस्ट्री में रुबीना दिलैक (Rubina Dilaik) एक जाना-माना नाम है. उन्होंने रियलटी शो बिग बॉस 14 (Bigg Boss 14) का विनर बनकर जमकर सुर्खियां बटोरी थीं. इस शो में वह अपने पति अभिनव शुक्ला (Abhinav Shukla) के साथ पहुंची थीं. अभिनव तो शो के अंत से पहले बाहर हो गए थे लेकिन रुबीना विनर बनकर ही बाहर निकली थीं. शो के दौरान रुबीना ने ये खुलासा करके भी सबको चौंका दिया था कि बिग बॉस का ऑफर मिलने के दौरान अभिनव से उनके रिश्ते अच्छे नहीं थे और वो दोनों तलाक लेने पर विचार कर रहे थे. हालांकि बिग बॉस में आने के बाद इनकी बॉन्डिंग बेहतरीन हो गई और रिश्ता टूटने से बच गया.

अब एक इंटरव्यू में रुबीना ने अभिनव के साथ अपने रिश्ते पर बात की है. उन्होंने कहा कि अभिनव को लेकर उन्हें इनसिक्योरिटी होती थी. रुबीना बोलीं, इनसिक्योरिटी आपको खुद को लेकर होती है, मैं उतनी अच्छी नहीं या हो सकता है, सामने वाले के लिए आपसे बेहतर कोई पार्टनर हो सकता है. मुझे में शायद ये कमी होगी, शायद ये गलती मैंने की होगी जिसकी वजह से रिश्ता चल नहीं पा रहा है. आपको लगने लगता है की आपके पार्टनर के लिए आपसे कोई ज्यादा खूबसूरत, कम्पेटीबल इंसान मौजूद हो सकता... हो सकता है जो उसे खुश रख सके. ये इनसिक्योरिटी आपके बिहेवियर पर असर डालती है कि आप किस परिस्थिति में कैसे रिएक्ट करोगे. हालांकि अभिनव ने मुझे कभी इनसिक्योर फील नहीं करवाया है.

इससे पहले रुबीना ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि वह अभिनव को इंप्रेस करने के लिए उनके घर के चक्कर काटा करती थीं. कई बार वो उनसे मिलने के लिए ही उनकी कॉलोनी से गुजरती थीं लेकिन ये कह देती थीं कि यहां से गुजर रही थी तो सोचा मिलती चलूं.

Ponniyin Selvan के सेट से

ऐश्वर्या राय

की फोटो लीक, कांजीवरम साड़ी-हैवी ज्वैलरी में दिखीं महारानी की तरह

ऐश्वर्या राय की आने वाली फिल्म निर्देशक मणिरत्नम के साथ 'पोन्नियिन सेलवन' (Ponniyin Selvan) है। फिल्म की लंबे समय से चर्चा चल रही है। बीते दिनों ऐश्वर्या अपनी बेटी आराध्या को लेकर शूटिंग के लिए रवाना हुई थीं। अब फिल्म के सेट से ऐश्वर्या की तस्वीर लीक हो गई है जिसमें उनका लुक महारानी की तरह है। रॉयल लुक में ऐश्वर्या हमेशा की तरह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने रेड और गोल्डन कलर की कांजीवरम साड़ी पहनी हुई है। साथ ही हैवी ज्वैलरी कैरी की है। उनके आस-पास फिल्म के क्रू मेंबर्स को देखा जा सकता है, जो शॉट की तैयारी में हैं।

ऐश्वर्या की यह तस्वीर सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐश्वर्या फिल्म के एक स्पेशल गाने की शूटिंग कर रही हैं।

इस वक्त फिल्म की शूटिंग मध्य प्रदेश के ओरछा में चल रही है। साउथ फिल्मों के सुपरस्टार चियान विक्रम भी शूटिंग के लिए पहुंचे हैं। हाल ही में सेट की कुछ अन्य तस्वीरें भी सामने आई थीं। बता दें कि फिल्म में ऐश्वर्या डबल रोल में नजर आएंगी। उनके किरदार का नाम नंदिनी और मंदाकिनी देवी (नंदिनी की मां) है।

फिल्म दो भागों में रिलीज होगी। इसका पहला पार्ट साल 2022 में आएगा। बिग बजट की यह फिल्म एक फैंटसी ड्रामा है। कुछ दिनों पहले ऐश्वर्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्टर शेयर करते हुए लिखा- 'सुनहरा दौर जिंदगी में आ रहा, मणिरत्नम की पोन्नियिन सेलवन PS1'।

ऐश्वर्या और विक्रम के अलावा इसमें तृषा, जयम रवि, कार्ति, प्रकाश राज, प्रभु, ऐश्वर्या लक्ष्मी, शोभिता धूलिपाला सहित अन्य कलाकार हैं। इस पीरियड फिल्म के लिए एआर रहमान ने संगीत दिया है।

नुसरत जहां डिलिवरी के लिए अस्पताल में भर्ती, डॉक्टर्स से की ये खास रिक्वेस्ट?

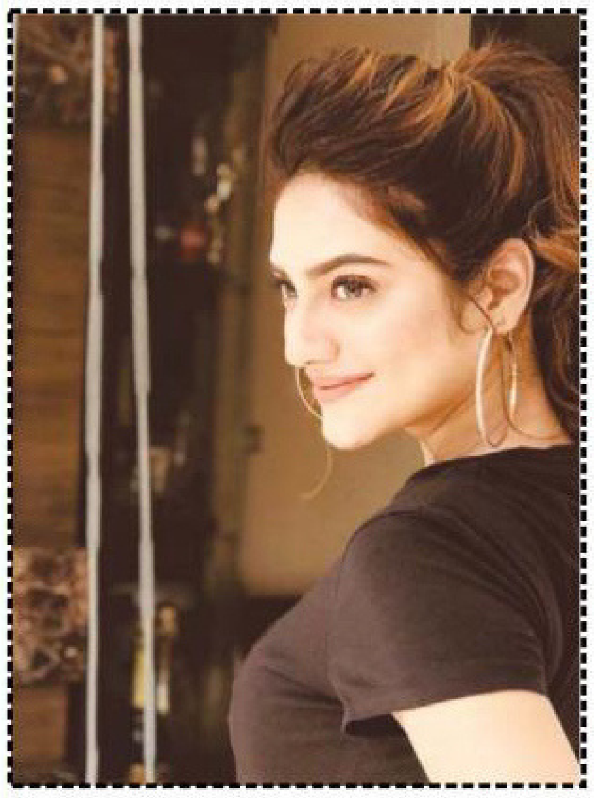

ऐक्ट्रेस नुसरत जहां जल्द ही अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती हो चुकी हैं और गुरुवार (26 अगस्त) तक उनका बेबी इस दुनिया में आ सकता है। बीते दिनों नुसरत अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर काफी सुर्खियों में रही हैं। पार्टनर निखिल जैन से उनके अनबन की खबरें भी हेडलाइन्स बन चुकी हैं। रिपोर्ट्स हैं कि नुसरत ऐक्टर यश दासगुप्ता को डेट कर रही हैं।

नुसरत जहां की डिलिवरी के बारे में खबरें थीं कि अगस्त लास्ट या सितंबर तक होगी। आनंदबाजार पत्रिका के मुताबिक, बुधवार को खबर आई कि नुसरत प्राइवेट अस्पताल में भर्ती हुई हैं। 26 अगस्त को उनकी डिलिवरी हो सकती है। नुसरत की बेबी बंप की तस्वीरें और प्रेग्नेंसी की खबरें बीते दिनों सुर्खियां बन चुकी हैं। वहीं उनकी और निखिल जैन की शादी टूटने की रिपोर्ट्स भी हेडलाइन्स में रह चुकी हैं। खबरे हैं कि नुसरत यश दासगुप्ता के साथ रिलेशनशिप में हैं। आनंद बाजार पत्रिकी की रिपोर्ट के मुताबिक,नुसरत ने डॉक्टर्स से रिक्वेस्ट की है कि डिलिवरी के दौरान यश को साथ रहने दिया जाए।

नुसरत जहां ने 2019 में निखिल जैन से टर्की में शादी की थी। उनकी दूसरे धर्म में शादी के भी काफी चर्चे रहे थे। शादी के कुछ महीने बाद ही उन्होंने दावा किया कि यह शादी भारतीय कानून के तहत अवैध है। इसके बाद उनके पति निखिल जैन ने बयान दिया था कि नुसरत हमेशा रजिस्टर्ड शादी से इनकार करती रहीं। उन्होंने यह भी बताया था कि अगस्त 2020 से नुसरत का रवैया बदलना शुरू हो गया था। इसके बाद वह नवंबर में सामान लेकर घर छोड़ गई थीं।

अंकिता लोखंडे ने पहले किया था विकी जैन को प्रपोज? सामने आया वीडियो

अंकिता लोखंडे अपने रिलेशनशिप को लेकर काफी ओपन हैं। वह कुछ भी छिपाती नहीं। जब उनकी जिंदगी में सुशांत सिंह राजपूत थे तब भी वह अपने रिश्ते पर खुलकर बात करती थीं। अब विकी जैन से भी अपना रिश्ता नहीं छिपातीं। रीसेंटली उन्होंने एक कपल वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने कैप्शन दिया है, जानिए किसने पहले प्रपोज किया था।

अंकिता ने वीडियो शेयर किया है इसमें उन्होंने और विकी ने सवालों के जवाब दिए हैं। झगड़ा होने पर कौन पहले माफी मांगता है? इस पर दोनों का जवाब अंकिता है। कौन ज्यादा रोमांटिक है, इसके जवाब में भी दोनों अंकिता के नाम पर एग्री होते हैं। पहले आई लव यू किसने बोला, इस पर विकी अंकिता की ओर इशारा करते हैं और अंकिता विकी की ओर। किसमें ज्यादा धैर्य है इस पर भी दोनों का जवाब अंकिता है। अंकिता के फैंस को उनका और विकी का ये वीडियो काफी पसंद आ रहा है।

अंकिता लोखंडे सुशांत सिंह राजपूत के साथ करीब 6 साल तक रिलेशन में रह चुकी हैं। ब्रेकअप के बाद सुशांत के मूवऑन होने की खबरें थीं। सुशांत के निधन के वक्त अंकिता और विकी जैन की मंगनी की खबरें भी थीं। अंकिता विकी की तस्वीरें और उनके साथ वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। उनके फैंस को दोनों की शादी का इंतजार है।

पहलवान रवि दहिया ने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप से नाम वापस लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। बजरंग पूनिया के बाद अब पहलवान रवि दहिया ने भी कहा है कि वह आगामी विश्व चैंपियनशिप में नहीं खेलेंगे। दहिया के अनुसार उन्हें भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अगले सप्ताह होने वाले चयन ट्रायल के लिए तैयारी का समय नहीं मिला है, इसलिए उन्होंने अपना नाम इस चैंपियनशिप से वापस लिया है। डब्ल्यूएफआई दो से 10 अक्तूबर तक नॉर्वे के ओस्लो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए अगले सप्ताह चयन ट्रायल का आयोजन करेगी। ओलंपिक रजत विजेता दहिया ने कहा कि मैं बिना तैयारी के मैट पर नहीं उतरना चाहता। इसलिए मैं विश्व चैंपियनशिप में भाग नहीं लूंगा। दहिया से पहले ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग ने भी दायें घुटने में चोट के कारण इस टूनार्मेंट से नाम वापस ले लिया था।

दहिया ने कहा कि मैं सत्र खत्म होने से पहले एक या दो टूनार्मेंट में हिस्सा लेने का प्रयास करूंगा। मैं अगले महीने से ट्रेनिंग शुरू करूंगा। यह पूछने पर कि क्या बहुत अधिक समारोह से वह परेशान हैं, दहिया ने कहा कि उन्हें कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने कहा कि आप उन्हें 'ना' कैसे कह सकते हो। वे आपके अपने लोग हैं जो सम्मान दिखाना चाहते हैं और आपको सम्मानित करना चाहते हैं। परेशानी केवल इतनी है कि इससे थकान हो जाती है। दहिया को इससे कोई समस्या नहीं है कि डब्ल्यूएफआई ने उन्हें ट्रायल से राहत नहीं दी। उन्होंने कहा कि महासंघ ट्रायल के लिए बुलाकर सही काम कर रहा है। उन्हें पता है कि क्या सर्वश्रेष्ठ है। मुझे ट्रायल में हिस्सा लेने में कोई दिक्कत नहीं है।

दहिया ने कहा कि वह जल्द ही महासंघ को अपने फैसले की जानकारी देंगे। वहीं डब्ल्यूएफआई के सहायक सचिव विनोद तोमर ने कहा कि इस पहलवान को ट्रायल के लिए बुलाने में कुछ भी गलत नहीं है। तोमर ने कहा कि हमें दूसरे खिलाड़ियों को भी तैयार करना है। हमें सभी को राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का दावा पेश करने का मौका देना होगा, इसलिए सभी को ट्रायल के लिए आना होगा। दहिया ने कहा कि वह इतने व्यक्त हैं कि टोक्यो से लौटने के बाद अपने परिवार के साथ भी समय नहीं बिता पाए। वहीं तीन महिला पहलवानों विनेश फोगाट, सोनम मलिक और दिव्या काकरान के भी ट्रायल में भाग लेने को लेकर संशय बना हुआ है।

सेरेना ने अमेरिकी ओपन से नाम वापस लिया

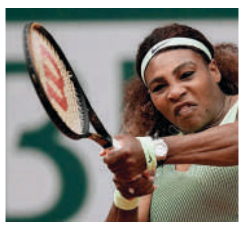

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अनुभवी महिला टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने फिट नहीं होने के कारण इस महीन के अंत में शुरू हो रहे अमेरिकी ओपन टेनिस से अपना नाम वापस ले लिया है। सेरेना ने सोशल मीडिया के जरिये टूनार्मेंट से हटने के बारे में बताया है। सेरेना पिछले काफी दिनों से अपनी चोट से परेशान है। इससे पहले पुरुष वर्ग में स्विटजरलैंड के टेनिस स्टार रोजर फेडरर, स्पेन के राफेल नडाल और ऑस्ट्रेलिया के डॉमिनिक थिएम ने भी अमेरिकी ओपन से नाम वापस लिया है। अमेरिकी ओपन 30 अगस्त से शुरू होगा।

23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'काफी विचार करने और डॉक्टरों व मेडिकल टीम से सलाह लेने के बाद मैंने अमेरिकी ओपन से हटने का फैसला किया, जिससे मेरा शरीर हैमस्ट्रिंग खिंचाव से पूरी तरह से उबर सके।' उन्होंने लिखा कि न्यूयार्क दुनिया के सबसे रोमांचक शहरों में से एक है और टेनिस खेलने के लिए मेरा पंसदीदा स्थान भी। सेरेना ने यहां 1999, 2002, 2008, 2012, 2013 और 2014 में भी खिताब जीता था।

रोहित अगर एक रन और बना लेते भारतीय टीम इस अनचाहे रिकार्ड से बच जाती

लंदन, एजेंसी। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा अगर इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में पहले दिन एक रन और बना लेते तो भारतीय टीम एक शर्मनाक रिकार्ड से बच सकती थी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जैम्स एंडरसन सहित मेजबान टीम के गेंदबाजों ने भारतीय टीम को पहली पारी में केवल 78 रनों पर ही समेट दिया था। इस पारी के दौरान कोई भी भारतीय बल्लेबाज 20 रनों तक नहीं पहुंच पाया।

रोहित ने सबसे ज्यादा 19 रन बनाये जबकि उप-कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 18 रन बनाए। इस मैच में एंडरसन ने लोकश राहुल, चेतेश्वर पुजारा और विराट कोहली के विकेट लेकर भारतीय टीम को दबाव में ला दिया। रहाणे और रोहित के आउट होने के बाद टीम की उम्मीदें टूट गयीं।

लंच से पहले और बाद में रोहित अपना विकेट बचाकर खेल रहे थे और ऐसे में भारतीय टीम को उनसे उम्मीदें बनीं हुईं थीं। तब टीम को उम्मीद थी कि वह निचले क्रम के साथ मिलकर टीम को कठिन हालातों से निकाल लेंगें पर ऐसा नहीं हुआ। लंच के बाद पहले भारत ने पहले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का विकेट खोया और फिर रोहित भी चलते बने। दूसरे टेस्ट में शानदार साझेदारी करने वाले मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह इस बार एक भी रन नहीं बना पाये।

खबर एक नजर

अकरम की बराबरी पर आये एंडरसन

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के मुख्य तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली का विकेट लेने के साथ ही पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम के एक रिकार्ड की बराबरी कर ली है। कोहली को आउट करते ही एंडरसन के नाम अब 916 इंटरनेशनल विकेट हो गए हैं। अकरम के नाम भी इतने ही विकेट दर्ज है। इन दोनों से आगे अब केवल श्रीलंकाई स्पिनर मुथैया मुरलीधरन (1347), ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वॉर्न (1001), भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले (956) और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्राथ (949) हैं। अकरम और मैक्ग्राथ ने अपने करियर में 44.5 की स्ट्राइक रेट से विकेट लिए हैं। वहीं मुरलीधरन हर 47वीं गेंद पर विकेट लेते थे। इनके बाद एंडरसन का नंबर आता है जिनका स्ट्राइक रेट 49.6 का है। वहीं वॉर्न ने 51.2 और कुंबले ने 57.8 की स्ट्राइक रेट से विकेट लिए हैं।

विराट और अनुष्का ने लीड्स में किया ओणम लंच

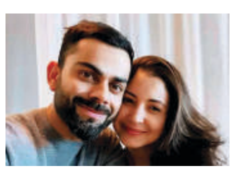

लंदन, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली क्रिकेट के साथ ही परिवार के लिए भी समय निकाल रहे हैं। इसी के तहत ही विराट ने अपनी पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ लीड्स में केरल के एक रेस्टोरेंट में ओणम त्योहार मनाया। प्रशंसकों ने अनुष्का और विराट के साथ की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर भी साझा किये हैं। ओणम लंच के दौरान अनुष्का ने सफेद रंग की मैक्सी ड्रेस पहनी जबकि विराट काले रंग की टी शर्ट और ट्राउजर पहने नजर आए। कुछ तस्वीरों में विराट प्यार से अनुष्का के कंधे पर हाथ रखते हुए नजर आ रहे हैं हालांकि, इस आउटिंग के दौरान उनकी बेटी वामिका नजर नहीं आई, जिसे प्रशंसकों ने काफी मिस किया। अनुष्का और विराट समय-समय पर अपनी तस्वीरें साझा करते रहे हैं। हाल ही में अनुष्का ने अपना नया हेयरकट फ्लॉन्ट किया था, जिसकी तस्वीर विराट ने खींची थी। उनके इस नए लुक को प्रशंसकों और बॉलीवुड में उनके साथियों दोनों का खूब प्यार मिला। ट्रिप के दौरान विराट और अनुष्का ने वामिका का जन्मदिन भी मनाया था।

ओडीशा को खेलकूद सामानों का केन्द्र बनाएगी ओडीशा सरकार

भुवनेश्वर, एजेंसी। भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की प्रायोजक ओडीशा सरकार अब राज्य को खेलकूद सामानों के उद्योग का बड़ा केन्द्र बनाना चाहती है। इसके लिए राज्य सरकार ने खेल क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों को राज्य में अपने विनिर्माण कारखाने लगाने के लिये आमंत्रित किया है। राज्य के एमएसएमई मंत्री डी एस मिश्रा ने कहा कि तटीय राज्य निवेशकों के लिये आकर्षक केन्द्र बनता जा रहा है। मिश्रा ने कहा, 'आने वाले समय में राज्य सरकार खेल क्षेत्र के लिये ऐसा उपयुक्त तंत्र उपलब्ध करायेगी जिससे कि यह उद्योग न केवल भारतीय जरूरतों को बल्कि दुनिया भर से आ रही खेलकूद के सामानों की मांग को भी पूरा करेगा।'

उन्होंने कहा कि खेल सामानों के लिए राज्य के बेहतर स्थल है क्योंकि यहां उत्पादन लागत प्रति इकाई देश में सबसे कम है। राज्य सरकार उद्योगों को सभी तरह की सुविधायें और सहायता उपलब्ध कराने को तैयार है। राज्य के एमएसएमईमंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब राज्य सरकार ने घोषणा की है कि वह हॉकी को अगले दस साल तक और समर्थन देती रहेगी। राज्य सरकार पुरुष और महिला हॉकी टीम को 2018 से ही प्रायोजित करती आ रही है। वहीं उद्योग सचित हेमंत शर्मा ने कहा, वैश्विक मूल्य श्रृंखला के लिहाज से राज्य व्यवसाय के लिये एक अति महत्वपूर्ण स्थल के तौर पर उभर रहा है।

जापान में पेज ग्रीको ऑस्ट्रेलिया , चीन की वांग जियोगी व जर्मनी की डेनिस सिंडलर टोक्यो पैरालंपिक खेलों के अवार्ड समारोह में पोज देती हुईं।

दर्शकों ने सिराज पर फेंकी थी गेंद : ऋषभ

लंदन, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर दर्शकों की ओर से एक गेंद फेंकी गयी थी। इसके बाद कप्तान विराट कोहली ने सिराज को उस गेंद को बाहर फेंकने के लिये कहा। इससे पहले लाडर्स टेस्ट के दौरान भी सीमा रेखा के करीब दर्शकों ने शैंपेन की बोतल के ढक्कन फेंके गये थे। तब लोकेश राहुल वहां पर फील्डिंग कर रहे थे।

हैडिंग्ले में दिन का खेल समाप्त होने के बाद जब ऋषभ से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'दर्शकों में से किसी ने सिराज पर एक गेंद फेंकी थी जिससे कप्तान नाराज थे। उनका मानना था कि आप जो कुछ भी कहना चाहते हैं कह सकते हैं पर क्षेत्ररक्षकों पर चीजें न फेंकें। यह क्रिकेट के लिये अच्छा नहीं है।' सिराज को इस साल के शुरू में सिडनी में भी ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों ने अपशब्द कहे थे जिसके कारण कुछ दर्शकों को स्टेडियम से बाहर भी कर दिया गया था।

जब लीड्स में सिराज पर दर्शक ने गेंद पर फेंकी तब सिराज ने भी उसे जवाब दिया। इंग्लैंड के प्रशंसक सिराज से स्कोर के बारे में पूछ रहे थे जिसका उन्हें उसी अंदाज में जवाब दिया था। सिराज ने हाथों से पहले 1 और उसके बाद 0 का इशारा किया। दरअसल वह मेजबान टीम के प्रशंसकों को जवाब दे रहे थे कि अब भी भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है।सोशल मीडिया पर सिराज के जवाब का एक वीडियो भी वायरल है।

भारत की भाविनाबेन ने टोक्यो पैरालंपिक खेलों में मेगन को हराया

टोक्यो, एजेंसी। भारत की भाविनाबेन ने टोक्यो पैरालंपिक के दूसरे दिन अच्छी शुरूआत करते हुए टेबल टेनिस महिला एकल वर्ग 4 के ग्रुप ए मैच में ब्रिटेन की मेगन शैकलटन को हराया। मेगन ने शुरू में तीन अंकों की बढ़त भी थी पर इसके बाद भावना ने वापसी करते हुए मुकाबला 13-11 से जीत लिया। इसी के साथ ही वह मैच भी 3-1 से जीत गई हैं। तीसरा गेम भी भारतीय खिलाड़ी ने जीता। मेगन ने शुरूआती बढ़त ली पर भावना ने वापसी करते हुए 9-8 से बढ़त बना ली हालांकि वह गेम अंक नहीं ले पायी जिसके बाद गेम टाईब्रेकर तक खिंच गया और भाविनाबेन ने तीसरा राउंड 17-15 से अपने नाम कर लिया।

खेल के दौरान दूसरे गेम में एकस समय भाविना और मेगन 6-6 तक बराबरी पर रहीं जिसके बाद मेगन ने बढ़त बनानी शुरू कर दी पर भारतीय खिलाड़ी ने 9-9 से बढ़त बनाने के लिए संघर्ष किया, हालांकि ब्रिटेन की खिलाड़ी ने लगातार अंक हासिल कर खेल 11-9 से अपने नाम कर लिया। शुरूआती दौर में आमने-सामने की टक्कर के बाद भाविनाबेन ने पहला गेम 11-7 से जीता।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे के कार्यक्रम में बदलाव होना तय

सीए शीघ्र करेगा घोषणा

सिडनी, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के कार्यक्रम में बदलाव हो सकता है। इसका कारण यह है कि कोरोना महामारी के कारण ऑस्ट्रेलिया के सिडनी और मेलबर्न में लॉकडाउन लगा दिया गया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अगले महीने तीनों प्रारूपों में मुकाबले होने हैं। इसमें तीन एकदिवसीय, इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय और वाका मैदान पर होने वाला ऐतिहासिक दिन रात्रि टेस्ट मैच शामिल है।

इस दौरे की शुरूआत 19 सितंबर को सिडनी में पहले एकदिवसीय से होगी जिसके बाद मेलबर्न और पर्थ में मैच खेले जाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'सिडनी और मेलबर्न में कोविड-19 लॉकडाउन और राज्यों की सीमाएं बंद कर दिये जाने के कारण इन मैचों के तय कार्यक्रम में बदलाव किया जाएगा।' इसमें कहा गया है, 'क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) इन सात मैचों के आयोजन को लेकर अभी सरकारी अधिकारियों से बातचीत कर रहा है। मैचों के कार्यक्रम में बदलाव की घोषणा जल्द किये जाने की संभावना है।'

सीए ने कहा कि उसकी हालतों पर नजर बनी हुई है। भारतीय महिला टीम को पूर्व कार्यक्रम के अनुसार रविवार को ऑस्ट्रेलिया के लिये रवाना होना है। ऑस्ट्रेलिया के कोविड-19 दिशानिर्देशों के अनुसार बाहर से आने वाले लोगों को दो सप्ताह तक के लिए पृथकवास पर रहना होता है।

बस चला कर गुजारा कर रहा यह श्रीलंकाई क्रिकेटर

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में कई पूर्व क्रिकेटर आर्थिक बदहाली के कारण अन्य काम कर अपने परिवार को पाल रहे हैं। इनमें से कुछ क्रिकेटर विदेशों में ड्राइवर तक बन गये हैं। 2011 श्रीलंकाई विश्व कप टीम के सदस्य और आईपीएल टीम में शामिल रहे एक ऐसे ही श्रीलंकाई क्रिकेटर हैं सूरज रणदीव। रणदीव आजकल ऑस्ट्रेलिया में रहकर बस चला रहे हैं। साल 2011 में भारत में खेले क्रिकेट विश्व कप में रणदीव श्रीलंकाई टीम में शामिल रहे थे। रणदीव ने आईपीएल में सीएसके की ओर से भी खेला है। यह पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर अब ऑस्ट्रेलिया में बस चला रहा है। पूर्व स्पिनर सूरज रणदीव साल 2019 में ऑस्ट्रेलिया गये। जहां वह अब बस चलाने के अलावा एक स्थानीय क्लब के लिए क्रिकेट भी खेलते हैं। रणदीव ने श्रीलंका के लिए 12 टेस्ट में 46 विकेट लिए थे। रणदीव ने 31 वनडे में 36 विकेट और सात ळ20 मुकाबलों में 7 विकेट लिए थे। रणदीव को उस नो बॉल की वजह से जाना जाता है जिसने 99 रन पर बल्लेबाजी कर रहे सहवाग को शतक नहीं बनाने दिया। रणदीव को जानबूझकर नो बॉल के कारण एक मैच से निलंबित भी कर दिया गया था।

विराट के अलावा सचिन , पुजारा सहित कई भारतीय बल्लेबाजों को एंडरसन ने किया है परेशान

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने हेडिंग्ले में खेले जा रहे तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली को केवल सात रनों पर ही आउट कर दिया। विराट को एंडरसन की गेंद पर विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर ने कैच किया। इसी के साथ ही एंडरसन के नाम अब टेस्ट क्रिकेट में कुल 629 विकेट हो गए हैं। इसमें हेडिंग्ले टेस्ट की पहली पारी के तीन विकेट भी हैं। एंडरसन ने कोहली को टेस्ट क्रिकेट में सातवीं बार आउट किया है। इस प्रकार विराट को टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शिकार बनाने वाले गेंदबाजों में अब वह नाथन लियोन के साथ शीर्ष पर पहुंच गए हैं। एंडरसन ने विराट के अलावा कई अन्य दिग्गज बल्लेबाजों को भी अपना शिकार बनाया है। इसमें महान बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर भी शामिल हैं।

एंडरसन ने भारतीय बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा बार चेतेश्वर पुजारा को 22 टेस्ट मैचों में 10 बार अपना शिकार बनाया है। वहीं सचिन को 14 टेस्ट में 9 बार आउट किया है। विराट को 23 टेस्ट में 7 बार एंडरसन ने पेवेलियन भेजा है। अजिंक्य रहाणे 18 मैचों में 7 बार एंडरसन का शिकार हुए हैं। पूर्व सलामी बल्लेबाज मुरली विजय को भी एंडरसन के सामने संघर्ष करना पड़ा था। विजय 10 टेस्ट मैचों में एंडरसन के सामने आए और 7 बार वह उनकी गेंद पर आउट हुए। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी 19 टेस्ट में छह बार और गौतम गंभीर 11 टेस्ट में इतनी ही बार एंडरसन का शिकार बने। इस प्रकारएंडरसन ने ज्यादातर मौकों पर भारतीय शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया है।

पैरालंपिक में दो स्वर्ण पदक जीतना है बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत का लक्ष्य टोक्यो पैरालंपिक खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतना है। भारतीय बैडमिंटन दल शुक्रवार को टोक्यो के लिए रवाना होगा और भगत इन खेलों में स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार हैं। भगत का मानना है वह मानसिक रूप से मजबूत हैं। एशियाई और विश्व चैंपियन 33 साल के भगत ने टोक्यो पैरालंपिक के लिए दो स्पधाओं में क्वालीफाई किया है। वह पुरुष एकल एसएल3 और मिश्रित युगल एसएल3-एसयू5 में पलक कोहली के साथ भाग लेंगे। गौरतलब है कि एसएल3 में वे खिलाड़ी आते हैं जिन्हें खड़े रहने में मामूली समस्या होती है या उनके निचले अंग में समस्या होती है जबकि एसयू5 में वे खिलाड़ी शामिल होते हैं जिनके ऊपरी अंग में समस्या होती है। बचपन में पोलियो से प्रभावित हुए भगत ने में कहा, 'अपनी पेशेवर यात्रा शुरू करने के साथ ही मुझे इस दिन का इंतजार था। यह एकमात्र पदक है जो मेरी उपलब्धियों का हिस्सा नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'अभी मैं सर्वश्रेष्ठ लय में हूं और मेरी मानसिकता इस दुनिया में सबसे मजबूत है। मेरे कोच और ट्रेनर ने मेरे ऊपर काफी काम किया है। मेरी कुछ खामियां हैं जिस पर मैं धीरे धीरे काम कर रहा हूं।' पैरा बैडमिंटन पैरालंपिक में पदार्पण कर रहा है। भगत ने कहा, 'मैं एक अरब 40 करोड़ भारतीयों को निराश नहीं करना चाहता जो मेरे पीछे हैं, मेरा लक्ष्य भारत को पैरालंपिक बैडमिंटन में पहला स्वर्ण पदक दिलाना है। मेरा लक्ष्य दो स्वर्ण पदक हैं, एक एकल में और एक मिश्रित युगल में।'

उन्होंने कहा, 'साथ ही नंबर एक खिलाड़ी होने से विश्व स्तर पर परिणाम देने का दबाव होता है, मैं इससे अपने लिए प्रेरणा के तौर पर देखता हूं। हमें भारत के लिए कम से कम तीन से चार पदक जीतने की उम्मीद है।' भगत ने अप्रैल में दुबई पैरा बैडमिंटन टूनार्मेंट में दो स्वर्ण पदक जीते थे जब इस खेल ने महामारी के कारण एक साल के ब्रेक के बाद वापसी की थी। उन्होंने एकल में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा मनोज सरकार के साथ मिलकर एसएल4-एसएल3 वर्ग में पुरुष युगल का स्वर्ण पदक भी जीता था।

अपने टेस्ट करियर को लेकर आर्चर को हैं काफी उम्मीदें

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को उम्मीद है कि उनका टेस्ट करियर अच्छा रहेगा। आर्चर के अनुसार उनका सर्वश्रेष्ठ समय आना अभी बाकि है। इस तेज गेंदबाज ने माना कि फिटनेस उनके लिए समस्य बनी हुई है पर अभी अव केवल 26 साल के हैं। ऐसे में उनके पास बेहतर प्रदर्शन के लिए काफी समय है। यह तेज गेंदबाज अभी कोहनी की चोट के कारण भारत के खिलाफ सीरीज से बाहर है। उन्होंने माना कि बार-बार कोहनी में दर्द के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर होना निराशाजनक है। आर्चर चोट के भारत के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज के अलावा पुरुषों के टी20 विश्व कप और एशेज में भी नहीं खेल पाएंगे। आर्चर ने कहा कि जब मुझे पता चला कि कोहनी में चोट के कारण मैं 2021 में क्रिकेट नहीं खेल पाउंगा तो मेरे लिए इस पर विश्वास करना काफी मुश्किल था पर मेरा हमेशा से मानना है कि सब किसी ना किसी कारण होता है और चोट मेरे करियर को देखने के तरीके को नहीं बदलती।

मैंने पहले भी कई बार कहा है कि टेस्ट क्रिकेट मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण फॉर्मेट है और उस संबंध में कुछ भी नहीं बदला है। भारत के खिलाफ एक महत्वपूर्ण श्रृंखला से बाहर बैठना निराशाजनक है, साथ ही साथ ऑस्ट्रेलिया का दौरा नहीं करना है।